दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 04
अंकः- 341
मुरादाबाद
06 April 2025
(Sunday)
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

सीएम योगी ने कहा- प्रधानमंत्री के नेतृत्व में तेजी से बढ़ी देश की अर्थव्यवस्था, प्रदेश को बनाएंगे नंबर वन

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को रतनपुर में नवनिर्मित रोहिन बैराज परियोजना के लोकार्पण किया। कहा, उत्तर प्रदेश के अर्थव्यवस्था में पूरे देश में नंबर एक पर पहुंचाया जाएगा। पीएम मोदी के नेतृत्व में आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की ओर अग्रसर है।प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ी हैं। आज भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की ओर अग्रसर है तो अपना यूपी

देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। प्रदेश भय और अराजकता से मुक्त हो सुशासन और विकास की राह पर तेजी से आगे बढ़ रहा है, जिसका एक बड़ा उदाहरण महराजगंज में बना यह रोहिन बैराज भी है।ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को रतनपुर में नवनिर्मित रोहिन बैराज परियोजना के लोकार्पण समारोह को सम्बोधित करते हुई कहीं। उन्होंने कहा कि यह नया भारत है, जहां बिना किसी भेदभाव के काम होता हैं। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज पुरा देश एक नये भारत का दर्शन कर रहा हैं। जो भारत बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का लाभ सबको देता है। किसानों हो, नौजवान, मजदूर हो या महिलाएं सबको सरकार की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। जो काम पिछली सरकारों ने सत्तर सालों में नहीं किया वो काम मोदी सरकार ने दस वालों में कर दिखाया। डबल इंजन की सरकार में आज देश के 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन मिल रहा है। चार करोड़ गरीब परिवारों को उनका अपना आशियाना मिला है। बच्चों की अच्छी पढ़ाई से लेकर लोगों की दवाई तक के लिए भाजपा सरकार काम कर रहीं हैं। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों से लोग जिस रोहिन नदी के बाढ़ की त्रासदी झलते रहे, वहीं नदी अब यहां के खेतों को सींच कर किसानों की खुशहाली का नया द्वार खोलेगी। उन्होंने जनपद के विकास से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए किसानों को महाव के बाढ़ से निजात दिलाने का भरोसा भी दिलाया। अंत में मुख्यमंत्री ने सभी को नवरात्र की बधाई देते हुए विकास और सुशासन में सहयोग का आह्वान किया। इस दौरान प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, जिले के प्रभारी मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु, केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, विधायक ऋषि त्रिपाठी, ज्ञानेंद्र सिंह, जयमंगल मंगल कन्नौजिया, प्रेम सागर पटेल व संजय पाण्डेय आदि मौजूद रहें। सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर महाराजगंज पहुंचे। जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने संकल्प लिया कि अगले 3 साल में यूपी से गरीबी खत्म कर इसे देश का नंबर एक राज्य बनाया जाएगा।मुख्यमंत्री ने कहा कि हाल ही में देश की संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन अधिनियम पारित किया गया है, जिससे वक्फ के नाम पर जमीनों की लूट-खसोट और अवैध कब्जे पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि अब कोई चौराहों की जमीनों पर कब्जा नहीं कर सकेगा। सरकारी संपत्ति का उपयोग विद्यालय, चिकित्सालय, कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, बैराज और आवास निर्माण जैसे जनकल्याणकारी कार्यों में होगा।सीएम योगी ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश में लाखों एकड़ भूमि वक्फ बोर्ड के नाम पर नाजायज तरीके से कब्जाई गई थी, जिससे गरीबों का कल्याण नहीं हो रहा था। अब इस मनमानेपन पर लगाम लगेगी।

मां बनैलिया देवी के नाम से जाना जाएगा रोहिन बैराज,16 हजार किसानों को मिलेगा लाभ- मुख्यमंत्री ने वासंती नवरात्रि की अष्टमी के अवसर पर मां बनैलिया देवी को नमन करते हुए कहा कि उन्हें नौतनवा विधानसभा क्षेत्र में रोहिन नदी पर बैराज के लोकार्पण का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। इस बैराज से 16 हजार अन्नदाता किसानों और 54 सौ हेक्टेयर से अधिक भूमि को सिंचाई का लाभ मिलेगा। योगी ने कहा कि यह बैराज मां बनैलिया देवी के नाम से जाना जाएगा। रोहिन नदी का पानी मीठा है और यह नेपाल से गोरखपुर तक बहती है। इस बैराज से किसानों को लंबे समय तक लाभ मिलेगा। रोहिन बैराज के बारे में उन्होंने कहा कि 25 साल से इसकी मांग थी, लेकिन पहले की सरकारें अपने परिवार की जेब भरने और जमीन की लूट में व्यस्त थीं। अब यह बैराज बाढ़ से बचाव और सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराएगा। इसके आसपास वॉटर बॉडी, पर्यटन, नौकायन और रेस्टोरेंट बनने से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

पिछले 8 साल में उत्तर प्रदेश ने नई ऊंचाइयों को छुआ है- सीएम योगी ने बताया कि पिछले 8 साल में उत्तर प्रदेश ने नई ऊंचाइयां छुई हैं। 2017 में यूपी देश में सातवें नंबर की अर्थव्यवस्था था, आज यह देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। मुसहर, वनटांगिया और थारू जैसी जनजातियों के गांवों को जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर और महाकुम्भ का जिक्र करते हुए कहा कि यह विकास और विरासत का अनूठा समन्वय है। मुख्यमंत्री ने सरयू नहर परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि 1972 में बनी परियोजना को पूरा होने में 49 साल लग गये, वो भी तब पूरा हुआ जब भाजपा की सरकार आई।

संक्षिप्त समाचार

अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच 86 नक्सलियों ने हथियार डाले, आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं

गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इनमें 66 पुरुष और 20 महिलाएं शामिल हैं। आत्मसमर्पण करने वालों को मुख्यधारा में लौटने के लिए तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपये भी दिए गए। गृह मंत्री अमित शाह के बस्तर दौरे के बीच, तेलंगाना में 86 नक्सलियों ने हथियार डाल दिए। छत्तीसगढ़ में प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के कुल 86 सदस्य शनिवार को तेलंगाना के भद्रादी कोठागुडेम जिले में हेमचंद्रपुरम पुलिस मुख्यालय पहुंचे, जहां पर उन्होंने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वालों में 20 महिलाएं शामिल हैं।चार एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) सहित 86 माओवादियों ने नक्सलवाद के हिंसक रास्ते को छोड़ने का फैसला किया है, क्योंकि वह अपने परिवार के साथ शांतिपूर्ण जीवन जीना चाहते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, नक्सलियों ने मल्टी जोन-1 के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) एस चंद्रशेखर रेड्डी के सामने आत्मसमर्पण किया है। विज्ञप्ति के अनुसार, आत्मसमर्पण करने वालों को तत्काल सहायता के रूप में 25 हजार रुपये दिए गए। चारों एरिया कमेटी सदस्यों (एसीएम) पर चार-चार लाख रुपये का इनाम था।

सीएम योगी ने कहा- जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट क्राइम एंड करप्शन की पॉलिसी जीरो..., अखिलेश बोले- बीजेपी के लोग ही बीजेपी के खिलाफ

अखिलेश यादव ने कहा कि %जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट क्राइम एंड करप्शन की पॉलिसी यूपी में जीरो है। बीजेपी के लोग ही बीजेपी के खिलाफ हैं। करप्शन में एक आईएएस अधिकारी को पकड़ा गया है। वहीं एक अन्य अधिकारी का पैसा दूसरे प्रदेश में मिला यूपी की राजधानी लखनऊ में शनिवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार और कानून व्यवस्था से लेकर विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि जीरो टॉलरेंस अगेंस्ट क्राइम एंड करप्शन की पॉलिसी यूपी में जीरो हो गई है। सपा मुखिया ने कहा कि बहुत कम देखने को मिलता होगा कि पुलिस फिरौती के लिए खुद अपहरण कर रही है। पुलिस ही पुलिस पर मुकदमे दर्ज कर रही है। अब बताओ जीरो टॉलरेंस कहां बचा। प्रदेश में कहीं भी लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। बीजेपी के लोगों को भी न्याय नहीं मिल रहा है। बीजेपी के लोग ही बीजेपी के खिलाफ हैं।करप्शन का मामला नहीं, बंटवारे का झगड़ा था अखिलेश यादव ने आगे कहा कि करप्शन में एक आईएएस अधिकारी को पकड़ा गया है। बीच में जो दलाल था, उसे भी पकड़ा गया। पकड़ा गया दलाल और भी आईएएस अफसरों का काम करता था। ये करप्शन का मामला नहीं, बल्कि बंटवारे का झगड़ा था।जो लोग 80-20 का नारा देते हैं, मैं उनसे पूछता हूं कि हम 80 में आते हैं या 20 में। ये 80-20 का मामला नहीं, बल्कि 90-10 का मामला है। आधी आबादी और पीडीए बीजेपी से नाराज है। जो लोग निवेश लाना चाहते थे, वो विनाश ले आए। ये भ्रष्ट अधिकारी छुपे हुए हैं। यूपी के एक अधिकारी का पैसा दूसरे प्रदेश में मिला। इंडिया एलायंस का दुष्प्रचार कर रहे अखिलेश ने कहा कि इतिहास को नहीं पलटना चाहिए। जो इतिहास खुशहाली के रास्ते पर ना ले जाए, उसे नहीं पलटना चाहिए। क्योंकि इतिहास में अच्छाई और बुराई दोनों होती है। जबसे वक्फ बिल पास हुआ है, तबसे बीजेपी के लोग इंडिया एलायंस का दुष्प्रचार कर रहे हैं। ये लोग पीडीए से घबराए हुए हैं। बीजेपी यही चाहती है कि हम लोग बुनियादी सवालों पर चर्चा ना करें। क्या उत्तर प्रदेश में गेहूं की सरकारी खरीद हो रही है ? सरकार ने खरीद के लिए प्राइवेट लोगों को लाइसेंस दे दिया है। यूपी और उत्तरखंड से सबसे ज़्यादा युवा फौज में जाते थे। लेकिन, पक्की भर्ती बंद करके अग्निवीर योजना शुरू कर दी गई। सपा मुखिया ने नसीहत देते हुए कहा कि सरकार अमेरिका के राष्ट्रपति से सीखे कि वह लोग अपने देश की अर्थव्यवस्था को बचाने के लिए दूसरे देशों पर पाबंदी लगा रहे हैं। क्या हमारी सरकार चीन पर पाबंदी लगा पाएगी? ये सरकार झूठ के एक्सप्रेसवे बना रही है। एक पोस्टर में लिखा था कि छह बन चुके हैं और सात निर्माणधीन हैं। तो क्या बाकी हवा में बन रहे हैं?

सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को फिर लगा झटका, जिले के सात नेताओं ने दिया इस्तीफा

जदयू ने वक्फ संशोधन बिल पर अपना रूख स्पष्ट कर यह बात साबित कर दी है। सीएम नीतीश कुमार से हमलोगों का भरोसा उठ गया है। इसलिए आज हम सभी जनता दल यूनाइटेड से अलग हो रहे हैं।वक्फ संशोधन विधेयक के कारण सीएम नीतीश कुमार की पार्टी को बिहार में झटका लगने का सिलसिला जारी है। अब औरंगाबाद में जदयू के मुस्लिम नेताओं ने इस्तीफा दे दिया। वक्फ संशोधक विधेयक पर जदयू के स्टैंड नाराज सात मुस्लिम नेताओं ने अपने सर्मथकों के साथ मिलकर पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। इन नेताओं ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता त्याग दी। इस्तीफा देने वालों में समता पार्टी के रूप में स्थापना काल से 27 वर्षों से जुड़े जदयू के जिला उपाध्यक्ष जहीर अहसन आजाद जिला महासचिव व अधिवक्ता अतहर हुसैन, मंटू, जदयू नेता व जिला कार्यकम कार्यान्वयन समिति (20 सूत्री) के सदस्य मो. इलियास खां, जदयू नेता व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि मो. फारूक अंसारी, पार्टी नेता व पूर्व वार्ड पार्षद सैयद अनवर हुसैन, जदयू नेता व वार्ड पार्षद खुर्शीद अहमद, पार्टी नेता फखरे आलम, जदयू अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला उपाध्यक्ष मोजफ्फर इमाम कुरैशी एवं उनके दर्जनों समर्थक जदयू नेता शामिल हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने किया नौसेना की परियोजनाओं का उद्घाटन, आईओएस सागर को दिखाई हरी झंडी

रक्षा मंत्री ने आईओएस सागर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं। रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में मुक्त परिवहन, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना भारत का उद्देश्य है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कर्नाटक के कारवार नौसैनिक अड्डे पर नौसेना आईओएस सागर को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। आईएनएस सुनयना ने कहा कि हिंद महासागर पोत आईओएस सागर की यात्रा की शुरुआत पर ढेर सराहना करता हूं। आपके अथक प्रयासों और मेहनत से ही यह संभव हो पाया उनका भी आभार। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है कि सागर पहल के 10 साल यह तैनाती न सिर्फ भारत के बल्कि हिंद महासागर में हमारे सभी मित्र देशों के 1919 को सिंधिया स्टीम नेविगेशन कंपनी का एसएस लॉयल्टी नामक भारत के लिए 1964 से ही हम पांच अप्रैल को राष्ट्रीय समुद्री दिवस मनाते हैं।रक्षा हित भी बेहद घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ है। हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र सिर्फ संस्कृति और राष्ट्रीय हित को प्रभावित करता है। हम इस महत्व को न सिर्फ मौजूदगी से हिंद महासागर क्षेत्र को और ज्यादा शांत और समृद्ध बनाएं। उन्होंने अर्थव्यवस्था और सैन्य ताकत के दम पर किसी दूसरे राष्ट्र को दबा न सके।

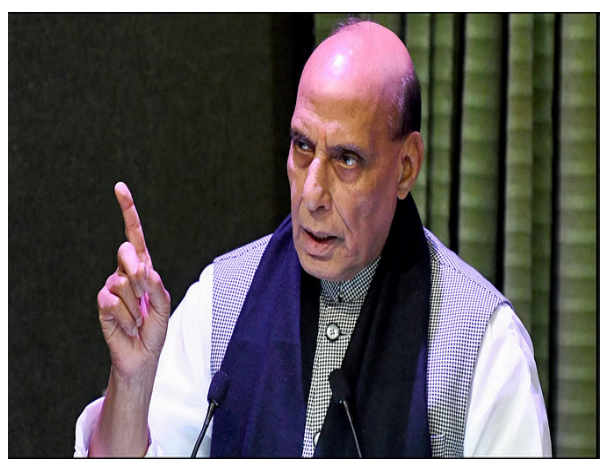

उनके हित को सुरक्षित किया जा सके।रक्षा मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर क्षेत्र में किसी भी आपदा या मुसीबत के समय भारतीय नौसेना प्रथम प्रतिक्रियादाता के तौर पर उभरी है। जहाज हाईजैक, समुद्री लुटेरों की करतूतें जैसी घटनाएं हिंद महासागर क्षेत्र में होती रहती हैं। ऐसी स्थिति में हमारी सेना जहाजों की सुरक्षा करती है। हिंद महासागर क्षेत्र में मुक्त परिवहन, शांति और स्थिरता सुनिश्चित करना हमारा उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी ने मॉरीशस की अपनी यात्रा के दौरान सागर पहल से भी आगे बढ़कर महासागर पहल की बात की। यह सागर पहल से भी ज्यादा अग्रिम और सहयोगी बनेगा। उन्होंने कहा कि आईओएस सागर ऊचाइयों को छुए। मैं आईओएस सागर के सदस्यों की सुरक्षित और यादगार यात्रा की कामना करता हूं।

की तमाम परियोजनाओं का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने हिंद महासागर पोत से जुड़े इस जहाज में नौ देशों की नौसेनाओं के 44 कर्मी सवार हैं।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सारी बधाई। मैं भारतीय नौसेना और हिंद महासागर क्षेत्र के हमारे सभी हितधारकों की है। सभी मित्र देश जो सागर की यात्रा में विशेषज्ञता और अनुभव साझा करने आए हैं, पूरे होने पर आईओएस सागर हिंद महासागर की यात्रा पर निकल रहा है। नौसैनिकों की सहयोगात्मक प्रयास से हो रही है। आज ही के दिन लगभग एक सदी पहले पांच अप्रैल का पहला व्यापारी जहाज मुंबई से लंदन के लिए रवाना हुआ था। उस दिन को याद रखने मंत्री ने कहा कि हिंद महासागर की समुद्री सुरक्षा से भारत और तटवर्ती देशों का राष्ट्रीय सुरक्षा की दृष्टि से ही अहम नहीं है, बल्कि यह हमारे व्यापार, अर्थव्यवस्था, पर्यटन, समझ रहे बल्कि इस दिशा में मिलकर काम भी कर रहे हैं। हमारा प्रयास है कि हम अपनी कहा कि हमारी नौसेना हिंद महासागर क्षेत्र में यह सुनिश्चित करती है कि कोई राष्ट्र अपनी भारत यह सुनिश्चित करता है कि हिंद महासागर में किसी की संप्रभुता पर आंच आए बिना

संपादकीय Editorial

Tariff will take away jobs

India's GDP may suffer a loss of 0.7 percent due to America's 'tit for tat tariff'. Of course, this seems to be a very small figure, but the loss can be up to Rs 2.5-3 lakh crore. This is not a normal amount. Experts themselves estimate that if GDP decreases, production will be directly affected, so factories will either lay off employees or reduce salaries. Estimates even go as far as saying that 7-8 lakh jobs may be lost. A similar effect can be felt on companies in Tamil Nadu, where companies do electronics business. India's Gujarat mainly trades gems, jewellery and stones worth Rs 78,000 crore with America. With the increase in tariff, those products will become more expensive. An example is Apple iPhone, whose factories are in India and China. A 34 percent tariff has been imposed on China. Already the tariff on China is very high. Now after the new tariff, Apple phones manufactured in India-China will become expensive in the American market, so obviously why would anyone buy an expensive phone? In the new situation, India's currency 'rupee' will weaken further and foreign direct investment will also decrease. The Union Commerce Ministry is also accepting that this tariff is not a 'shock' for us, but a 'mixbag'. That is, there is a possibility of some loss. President Trump has imposed 'tit for tat tariff' on about 60 countries, as a result of which there is panic in the countries of the world, economies have been shaken, there are chances of increase in poverty and inflation, most of the countries are considering it a 'tariff war' and are calling it Trump's 'trade madness'. Experts estimate that the world may suffer a loss of up to Rs 122 lakh crore. Anyway, many goods and equipment etc. are imported and exported between India and America. During Prime Minister Modi's US visit in February, both the countries had announced an agreement to increase bilateral trade to 500 billion dollars (about 43 lakh crore rupees) by 2030. The trade deal is to be done under this. Its first phase can be completed by September-October. A solution to tariffs can be found in it. The good thing is that 50 major products of India like pharma, copper, oil, semiconductors, gas, coal, LNG, insulin, vitamins, precious metals (gold, silver, platinum), printed materials and zinc have been kept 'tariff-free'. Machinery with exports of about 6 billion dollars, mineral fuel with exports of 4 billion dollars, organic chemicals with exports of 3 billion dollars and building stones with exports of 1 billion dollars are likely to be less affected by the tariff, but sectors like electronics, smart phones, gems and jewellery and agriculture will be affected extensively. Our farmers send rice, fruits, vegetables, grains etc. worth Rs 50,000 crore to America. At present, there is a 2.7 percent tariff on rice, which amounts to a total of 9-11 percent. Despite the increase in tariff, India can remain better than Vietnam, Thailand and China. The matter of concern is that the agricultural production in India is 4 times less than that of America. India can do extensive trade in the field of pharma, medicines etc. India does a business of about Rs 76,000 crore with America in this field and it has been kept free from 'tit for tat tariff'. However, in this situation, India can strengthen its manufacturing sector more. India will have to work on the policy of 'wait' and then 'take a decision'. Jobs should not be lost under any circumstances.

BJP is the centre point of politics and a reflection of the country's expectations

Pandit Deendayal Upadhyaya's philosophy of Integral Humanism inspired us to keep humanity and national interest paramount. With all the political ups and downs, the Bharatiya Janata Party was established on 6 April 1980, taking this ideology forward. This was the day when the BJP made a new beginning, which today is a symbol of pride for every party worker as Foundation Day. The journey of more than four and a half decades of the Bharatiya Janata Party is recorded in the history of Indian politics as a struggling, inspiring and glorious chapter. Every year on 6 April, party workers across the country celebrate Foundation Day as a resolution. This is a journey that is moving forward with determination, loyalty, continuity and unwavering dedication towards public service. Every worker of the Bharatiya Janata Party is proud that through his party, he is moving forward with such an ideology, whose only objective is 'Nation First'. This was the seed of the idea which laid a strong foundation for this historic journey of first Bharatiya Jana Sangh and later Bharatiya Janata Party. Today, under the leadership of Prime Minister Narendra Modi, this journey of multifaceted development of India is moving ahead unhindered. After independence, when ideological differences emerged between Dr. Shyama Prasad Mukherjee, who had a nationalist outlook, and Congress, these differences gave birth to a new path, which provided a strong alternative to the country. From that time till today, many other political parties became weak due to nepotism, corruption, lack of ideas and directionlessness, but the Bharatiya Janata Party, committed to its ideas, is leaving an indelible mark on the minds of the people of the country today. Pandit Deendayal Upadhyaya's philosophy of Integral Humanism inspired us to keep humanity and national interest paramount. With all the political ups and downs, the Bharatiya Janata Party was established on 6 April 1980, taking forward this ideology. This was the day when BJP made a new beginning, which is a symbol of pride for every party worker today as Foundation Day. Our roots are linked to the inspiration of the Jana Sangh established in 1951. After that, the merger with the Janata Party in 1977 was a temporary stop, but ideological differences inspired us to organize independently again. Cultural nationalism and integral humanism became the basic principles of the Bharatiya Janata Party, which are our identity even today. However, the challenges were no less in the initial days. In the 1984 Lok Sabha elections held after our establishment, we got only two seats. Certainly it was a difficult period, but the party workers remained firm with their ideas and continued to work among the society. After 1989, the party strengthened its presence on the national stage. Not only did its numbers increase in the Lok Sabha, it also emerged as an influential force in many states. In 1999, a stable government of the National Democratic Alliance i.e. NDA was formed under the leadership of the Bharatiya Janata Party under the able leadership of Atal Bihari Vajpayee. This was a historic moment in Indian politics. After receiving continuous public blessings since 2014, it would not be an exaggeration to say that the Bharatiya Janata Party has become a reflection of the hopes, aspirations and expectations of the country. It was not just a matter of numbers, but it was a symbol of the trust that the public has expressed in the BJP. Today, in this Amrit Kaal, the Bharatiya Janata Party has become the center point of Indian politics. This is a fact that no one can ignore. In its long tenure, the Modi government, working with the goal of service and good governance, has taken the country's progress to new heights. It has given concrete shape to the concept of heritage and development. The poor, the deprived, the backward, women and all sections of society have gained the confidence of a guaranteed change in their lives for the better. India's global reputation has strengthened. Many countries of the world are looking at India as a country taking initiatives to find solutions to global issues. India has emerged as a strong voice of the Global South on the global stage regarding the challenges of environment and climate change. By overcoming the basic challenges, India has been touching global standards of progress in the last decade. In the last decade, the Bharatiya Janata Party government under the leadership of Prime Minister Narendra Modi has worked to connect the new generation with innovations. Through hard work at the grassroots level and the use of digital technology, the party has taken its policies to the masses. By uniting various communities, the Bharatiya Janata Party has expanded its base, which further increased our organizational strength. After 2014, the BJP government has worked to ensure that the benefits of development reach the citizens standing at the last rung of the society. It was not just about gaining power, but about building an India where every citizen can live a life with dignity, self-respect and prosperity. The Bharatiya Janata Party tried to take its policies to the people through its digital platforms and many social initiatives. In this journey so far, the credit for being the most popular leader and connecting the Bharatiya Janata Party with the masses goes to Prime Minister Narendra Modi, who is leading the central government for the third consecutive time. Under his leadership, the BJP has achieved new heights. His strong will, vision and people-centric policies not only established India as a powerful nation on the global stage but also gave the party unprecedented energy and popularity. The goal of the Bharatiya Janata Party is clear – an India that moves forward rapidly on the path of modernity while preserving its glorious traditions. This uninterrupted journey of the BJP is not only a political journey, but also a resolution to serve the country.

Another necessary reform, the opposition's bet did not work

It is clear that the opposition parties' bet that if the BJP's allies supported the Waqf Amendment Bill, they would have to suffer political losses did not work. Even after the Waqf Amendment Bill was passed by the Parliament, the opposition parties are still insisting that it is not only unconstitutional but also anti-Muslim. The approval of the Waqf Amendment Bill by both the houses of the Parliament once again shattered the notion that the Modi government would not be able to work according to its agenda in its third term due to the BJP's reduction to 240 seats in the last Lok Sabha elections. The Waqf Amendment Bill could be approved by the Parliament because all the allies of the BJP supported it.It is clear that the opposition parties' bet that if the BJP's allies supported the Waqf Amendment Bill, they would have to suffer political losses did not work. Even after the Waqf Amendment Bill was passed by the Parliament, the opposition parties are still insisting that it is not only unconstitutional but also anti-Muslim. They are deliberately ignoring the fact that many Muslim leaders and organisations were supporting this Bill. Apart from this, such people were telling stories of corruption of Waqf Boards and also how Waqf Boards were not able to help poor Muslims. Although those opposing the Waqf Amendment Bill were not able to tell how many schools, hospitals etc. were built by the Waqf Boards, but even after this they were adamant that there was no need for any change in the old Waqf Act. This is nothing but turning away from another necessary reform. After all, why should there be no change in a law which is full of flaws and which is not able to fulfill the objectives for which it was made? Change in the Waqf Act became necessary because, firstly, Waqf Boards were equipped with arbitrary powers and secondly, hearing against its decisions was possible only in its own tribunal. If the decision of the tribunal was unfavourable, then there were limited rights to go to the High Court. This system was against the basic principles of justice. It is surprising that even after this, the old Waqf law was being supported. There is no harm in the fact that many opposition leaders are announcing to challenge the Waqf Amendment Bill in the Supreme Court even before it becomes a law. It is their right to do so, but it is not a good situation that every law passed by the Parliament is challenged in the Supreme Court. Many times this is done only to sharpen the politics of opposition for the sake of opposition. Due to this, hundreds of petitions have been filed in the Supreme Court against many laws of the Modi government in the past. It will not be surprising if petitions are filed against the amended Waqf law as well. The approval of the Waqf Amendment Bill by both the houses of the Parliament once again shattered the notion that the Modi government would not be able to work according to its agenda in its third term due to the BJP's reduction to 240 seats in the last Lok Sabha elections. The Waqf Amendment Bill could be approved by the Parliament because all the allies of the BJP supported it.It is clear that the opposition parties' bet that if the BJP's allies supported the Waqf Amendment Bill, they would have to suffer political losses did not work. Even after the Waqf Amendment Bill was passed by the Parliament, the opposition parties are still insisting that it is not only unconstitutional but also anti-Muslim. They are deliberately ignoring the fact that many Muslim leaders and organisations were supporting this Bill. Apart from this, such people were telling stories of corruption of Waqf Boards and also how Waqf Boards were not able to help poor Muslims. Although those opposing the Waqf Amendment Bill were not able to tell how many schools, hospitals etc. were built by the Waqf Boards, but even after this they were adamant that there was no need for any change in the old Waqf Act. This is nothing but turning away from another necessary reform. After all, why should there be no change in a law which is full of flaws and which is not able to fulfill the objectives for which it was made? Change in the Waqf Act became necessary because, firstly, Waqf Boards were equipped with arbitrary powers and secondly, hearing against its decisions was possible only in its own tribunal. If the decision of the tribunal was unfavourable, then there were limited rights to go to the High Court. This system was against the basic principles of justice. It is surprising that even after this, the old Waqf law was being supported. There is no harm in the fact that many opposition leaders are announcing to challenge the Waqf Amendment Bill in the Supreme Court even before it becomes a law. It is their right to do so, but it is not a good situation that every law passed by the Parliament is challenged in the Supreme.

मंडलायुक्त ने लू के प्रकोप से बचने के लिए बताई सावधानियां

मुरादाबाद- मंडलायुक्त श्री आञ्जनेय कुमार सिंह ने गर्मी के मौसम में चलने वाली गर्म हवा लू से बचने के संबंध में निम्न सावधानियां के बारे में अवगत कराया। उन्होंने लू प्रकोप एवं गर्म हवा के बारे बताया कि कढ़ी धूप में बाहर न निकले, खासकर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक के बीच में घर से बाहर अत्यंत आवश्यक हो तभी निकले,और ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं ।हल्के रंग के ढीले-ढाले सूती कपड़े पहनें, धूप से बचने के लिए गमछा, टोपी, छाता, धूप का चश्मा, जूते और चप्पल का इस्तेमाल करें। यात्रा करते समय अपने पास पानी अवश्य रखें। अगर बाहर का काम है तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरुर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर और गर्दन पर रखें। अगर तबियत ठीक न लगे या चक्कर आए तो तुरन्त डाक्टर से सम्पर्क करें, घर में बना पेय पदार्थ जैसे कि लस्सी, नमक, चीनी का घोल, नींबू पानी, छांछ, आम का पन्ना इत्यादि का सेवन करें। जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें। अपने घर को ठंडा रखें, शटर आदि का इस्तेमाल न करें, रात में खिड़कियों खुली रखें, शराब, चाय काफी जैसे पेय पदार्थो का इस्तेमाल न करें। मण्डलायुक्त ने लू प्रकोप एवं गर्म हवा ने संबंध में क्या करें क्या न करें बारे में बताया कि धूप में खड़े वाहनों में बच्चे एवं पालतू जानवरों को न छोड़े, खाना बनाते समय कमरे के दरवाजे के खिड़की एवं दरवाजे खुले रखें जिससे हवा का आना जाना बना रहें। नशीले पदार्थ, शराब तथा अल्कोहल के सेवन से बचें, उच्च प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से बचें, बासी भोजन न करें। खिड़की को रिफ्लेक्टर जैसे एल्युमीनियम पन्नी, गत्ते इत्यादि से ढक कर रखें, ताकि बाहर की गर्मी को अन्दर आने से रोका जा सके। जिन खिड़कियों व दरवाजों पर जिनसे दोपहर के समय गर्म हवाएं आती है, काले पर्दे लगाकर रखना चाहिए। स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। आपात स्थिति से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें, बच्चों व पालतू जानवरों को कभी भी बंद वाहन में अकेला न छोड़े, जहां तक संभव हो घर में ही रहें तथा सूर्य के संपर्क से बचें, सूर्य के ताप से बचने के लिए जहां तक संभव हो घर की निचली मंजिल पर रहें, संतुलित, हल्का व नियमित भोजन करें तथा घर से बाहर अपने शरीर व सिर को कपड़े या टोपी से ढक कर रखें। मण्डलायुक्त ने बताया कि अधिक गर्मी एवं लू के कारण होने वाली बीमारियां दो प्रकार की होती है जैसे हीट इग्जॉस्चन एवं हीट स्ट्रोक। उन्होंने बताया कि अत्यधिक प्यास, शरीर का तापमान बढ़ा होना, मासपेशियों में ऐठन, जी मिचलाना, उल्टी होना, सिर का भारीपन/सिरदर्द, रक्त चाप का कम होना, चक्कर आना, भ्रांति/उलझन में होना, अल्पमूत्र/पेशाब का कम आना, अधिक पसीना एवं चिपचिपा त्वचा होना हीट इग्जॉस्चन के लक्षण है, इससे बचने हेतु प्राथमिक उपचार जैसे व्यक्ति को तुरन्त पंखे के नीचे तथा छायादार ठंडे स्थान पर ले जाए, कपड़ो को ढीला करें, शरीर को गीले कपड़े से स्पंज करें, ओ0आर0एस0 का घोल पिलाए, नींबू का पानी नमक के साथ पिलाए, मांसपेशियों पर दबाव डालें तथा हल्की मालिश करें, शरीर के तापमान को बार बार जांचे, यदि कुछ समय में सामान्य न हो तो तुरन्त चिकित्सा केन्द्र ले जाए ।इसके साथ ही उन्होंने हीट स्ट्रोक के लक्षण के बारे में बताया कि शरीर तापमान बढ़ा हुआ होना, पसीना आना बंद होना, मांसपेशियों में ऐंठन, चिपचिपी त्वचा, त्वचा एवं शरीर का लाला होना, जी मिचलाना/उल्टी होना/चक्कर आना, सिर का भारीपन/ सिर दर्द, सांस की समस्या श्वसन प्रक्रिया तथा धड़कन तेज होना हीट स्ट्रोक के लक्षण है। इसके उपचार के लिए मरीज को तुरन्त नजदीक के स्वास्थ्य केन्द्र में जाए और कपड़ो को ढीला करें, तुरंत पंखे के नीचे तथा छायादार ठंडे स्थान पर ले जाये , शरीर को गीले कपड़े से स्पंज करें, अगर मरीज कुछ पीने की अवस्था में हो तो पानी या शीतल पेय पिलायें, ओ0आर0एस0 का घोल पिलायें ,नींबू का पानी नमक के साथ पिलाये तथा मासपेशियों पर दबाव डाले तथा हल्की मालिश करें। मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव ने बताया कि कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे-सिविल सर्विसेज (आई0ए0एस/पी0सी0एस0), आई0आई0टी0-जे0ई0ई0, एन0ई0ई0टी0(नीट) एवं एन0डी0ए0/सी0डी0एस0, इत्यादि हेतु प्रतिभाशाली तथा उत्साही विद्यार्थियों को नि:शुल्क साक्षात प्रशिक्षण/सलाह प्रदान किये जाने हेतु अभ्युदय योजना संचालित है। इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में सिविल सर्विसेज आई0आई0टी0-जे0ई0ई0, एन0ई0ई0टी0(नीट) एवं एन0डी0ए0/सी0डी0एस0, की परीक्षाओं हेतु प्रवेश/एडमिशन ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से किया जाना है। ऐसे इच्छुक छात्र-छात्राऐं जो अभ्युदय योजना योजनान्तर्गत प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु नि:शुल्क प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु दिनांक 07.04.2025 से समय प्रात: 10.00 बजे से सांय 05.00 बजे तक हिन्दू पी0जी0 कॉलेज मुरादाबाद अभ्युदय कक्ष संख्या-58 से प्रवेश फॉर्म प्राप्त करते हुए प्रवेश फॉर्म में दी गयी समस्त औपचारिकताऐं पूर्ण कर अन्तिम तिथि 07.05.2025 समय सांय 05.00 बजे तक हिन्दू पी0जी0 कॉलेज मुरादाबाद अभ्युदय कक्ष संख्या-58 में जमा कर सकते है। अन्तिम तिथि के पश्चात् कोई आवेदन पत्र जमा नहीं किया जाएगा।

हज 2025 के हज यात्रियों के प्रशिक्षण हेतु तिथि की गई निर्धारित

अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी ने बताया कि उ0प्र राज्य हज समिति के सर्कुलर अनुसार हज 2025 के यात्रियों के प्रशिक्षण हेतु दिनांक 02.04.2025 से 20.04.2025 के मध्य में कोई तिथि निर्धारित करने के सम्बन्ध में प्राप्त निर्देशों के क्रम में जनपद में हज यात्रियों के प्रशिक्षण हेतु दिनांक 08.04.2025 निर्धारित की गई है। जनपद मुरादाबाद में हज 2025 हेतु कुल 1579 हज यात्रियों का चयन हुआ है। चयनित हज यात्रियों के प्रशिक्षण हेतु वर्तमान में निर्धारित प्रशिक्षण केन्द्रों में से 07 प्रशिक्षण केन्द्रों पर दिनांक 08.04.2025 को प्रशिक्षको द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा। उपरोक्त के अतिरिक्त हज यात्रियों के नि:शुल्क टीकाकरण हेतु तिथि हज समिति से कार्यक्रम प्राप्त होने के पश्चात तिथि निर्धारित की जायगी। जनपद मुरादाबाद में प्रशिक्षण केन्द्रों मदरसा जामे उल हुदा, गलशहीद, मुरादाबाद, मदरसा बशीरूल उलूम, कुन्दरकी, मदरसा नूरूल कुरान, मो0 गुईयॉबाग मुरादाबाद, मदरसा एम0एच0 इस्लामिया मो0 लालबाग, ठाकुरद्वारा मुरादाबाद, मदरसा अब्दुल गफूर नईमी, पाकबड़ा, मुरादाबाद, मदरसा नासिर उल उलूम, कस्बा कॉठ, मुरादाबाद एवं मदरसा अन्सार उल्लाह फैजुल उलूम, ग्राम मिलक बुजपुर आशा, मूढापाण्डे, मुरादाबाद पर प्रशिक्षण निर्धारित दिनांक 08.04.2025 को प्रदान किया जायेगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा सभी हज प्रशिक्षकों को यह निर्देश दिये गये हैं कि उक्त निर्धारित तिथि पर उनके द्वारा हज पर जाने वाले सभी हज यात्रियों से सम्पर्क कर यथा सम्भव सभी का प्रशिक्षण कराना सुनिश्चित करेंगे। यदि कोई हज यात्री उक्त प्रशिक्षण से वंचित रह जाता है तो पुन: अन्तिम रूप से बचे हज यात्रियों का प्रशिक्षण हेतु तिथि निर्धारित की जायेगी। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी द्वारा यह भी अवगत कराया गया है कि हज यात्रियों को दिये जाने वाले प्रशिक्षण, टीकाकरण एवं हैल्थ स्वास्थ्य कार्ड आदि सभी व्यवस्थाएं सरकार की ओर से नि:शुल्क उपलब्ध करायी जाती है। यदि किसी के द्वारा किसी हज यात्री से उक्त सुविधाओं के नाम पर कोई शुल्क लिया जाता है तो उसकी शिकायत कार्यालय जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, विकास भवन, मुरादाबाद में कर सकते हैं।

वर्जिनिटी और प्राइवेट पाट...'फॉर्म में भरवाता था मासिक धर्म समेत ये जानकारी; तंत्र-मंत्र केस में खुलासा

मुरादाबाद-यूपी के संभल से तंत्र विद्या की आड़ में यौन शोषण और ब्लैकमेलिंग का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने गैंग का पर्दाफाश किया है। गैंग गरीब लड़कियों को अमीर बनने का लालच देता था। इसके बाद उनसे फॉर्म में भरवाता था। फॉर्म में कई पर्सनल जानकारी पूछी जाती थी। उत्तर प्रदेश की संभल पुलिस ने एक ऐसे गैंग का खुलासा किया है, जो तंत्र विद्या और पैसों की बारिश के नाम पर महिलाओं और लड़कियों संग शोषण करता था। जांच में कई चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। पुलिस ने गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार कर मोबाइल फोन, तंत्र सामग्री, एक कछुआ, हथियार आदि सामान बरामद किया है। 21 मार्च को थाना धनारी क्षेत्र के गांव बमनपुरी के रहने वाले राजपाल ने सूचना दी थी कि उसकी मां की कमर में दर्द था। 11 मार्च को वह मां का तंत्रमंत्र से इलाज करवाने के लिए गांव के ही लाखन व रिंकू से मिला था। इसके बाद लाखन, रिंकू, अजय सिंह व दुर्जन राजपाल को नरौरा ले गए। जहां वह लोग जनपद एटा में संतोष व शिवम के साथ जबरन आगरा में अज्ञात जगह पर ले गए। जहां पर उन लोगों ने अन्य लोगों के साथ उसके हाथ व पैर बांधने के बाद सफेद कपड़ा मुंह पर डाल दिया और तंत्र क्रिया कर बलि देने का प्रयास किया गया। उसकी चीख सुनकर वहां पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए तो आरोपी उसे छोड़ कर भाग गए। इस मामले में थाना धनारी पुलिस ने मामला दर्जकर विवेचना शुरू कर दी।विवेचना के दौरान नामजद व अन्य अभियुक्त रिंकू, अजय, संतोष, दुर्जन से जब पूछताछ की गई व उनके मोबाइल रिकॉर्ड देखे तो सामने आया कि अंतरराज्यीय ठगी गिरोह के सदस्य हैं जो कि तंत्र क्रिया के माध्यम से घर में धनवर्षा (नोटो की बारिश) का लालच देकर भोले भाले गरीब परिवार की लड़कियों व लड़कों की तस्करी कर यौन शोषण करते हैं। वन्य जीवों की तस्करी भी करते हैं। धनारी पुलिस ने गिरोह के 14 सदस्य गिरफ्तार किए हैं। इनके पास से मोबाइल, तंत्र विद्या की सामग्री, आर्टिकल कछुआ, अपराध में प्रयुक्त हथियार बरामद किए हैं। इसके बाद संभल में तंत्र क्रिया के नाम पर मानव तस्करी करने वाले गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपी ने खुद को मथुरा के एक निजी विश्वविद्यालय में लाइब्रेरी और इन्फॉरमेशन साइंस का प्रोफेसर बताया है।एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि गिरफ्तार डीएन त्रिपाठी के मोबाइल से कई ऑडियो रिकॉर्डिंग प्राप्त हुई थीं। जिसमें लड़की को लाकर तांत्रिक द्वारा काम कराने की बात हो रही थी। डीएन त्रिपाठी ने पुलिस को बताया था कि यह बातचीत मथुरा निवासी डीएस सिसोदिया से हो रही थी।विवेचना के क्रम में पुलिस ने मथुरा की शास्त्रीनगर कॉलोनी निवासी दशरथ सिंह उर्फ डीएस सिसौदिया को जब पूछताछ के लिए बुलाया गया तो दशरथ सिंह के मोबाइल से भी अन्य अभियुक्तों की तरह कई लड़कियों के वीडियो, फोटो व धनवर्षा गैंग के कोड वर्ड में बातचीत की चैट इत्यादि दिखीं।दशरथ सिंह से जब इन सबके बारे में पूछताछ की गई तो उसने बताया कि वह भी धनवर्षा तांत्रिक क्रिया में विश्वास रखता है और वह लगभग तीन वर्ष से इस गिरोह से जुड़ा हुआ है। वह भी यौन शोषण के लिए लड़कियों को सप्लाई करने का कार्य करता था। आरोपी धनवर्षा गैंग में लड़कियों को तांत्रिक गुरू तक पहुंचाने का कार्य करता था। फॉर्म में पूछे जाते थे ये सवाल आरोपी प्रोफेसर के द्वारा पांच फीट छह इंच लंबाई वाली लड़कियों की पूरी डिटेल फॉर्म में भरवाता था। फॉर्म में कई तरह की जानकारी और भी भरवाते थे। इसमें लड़की का नाम, पता, आयु, गोत्र, मासिक धर्म की तिथि, लंबाई, वजन, कुंवारी या शादीशुदा, किसी ने आपको छुआ या नहीं, प्राइवेट पार्ट के पास कोई तिल है या नहीं, शरीर पर कोई टैटू है या नहीं, ऐसे सवाल पूछे जाते थे। इसके अलावा लड़कों के सामने भी खास किस्म की शर्त रखी जाती, जिसमें उल्टा पैदा हुआ हो जैसी जानकारी की बात सामने आई है। इसके बाद फॉर्म में डिटेल भरवाने के बाद युवतियों का वीडियो बनाया जाता था, इस वीडियो में वो इंच टेप से अपने शरीर की लंबाई मापती हैं, उसके बाद गिरोह का सदस्य यह डिटेल्स, फोटो-वीडियो अपने गुरु के मैनेजर तक पहुंचाते थे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, इसके बाद यह तय किया जाता था कि तंत्र क्रिया कब और किस शहर में कराई जाएगी। कमरे में तंत्र क्रिया के दौरान सिर्फ लड़की और गुरु ही रहते थे। कमरे में न्यूड करके लड़की को जमीन पर लिटा दिया जाता था। इसके बाद पीड़ित को ऐसी कोई वस्तु का सेवन कराया जाता था जिससे वो बेहोश हो जाए। पुलिस को मिले एक ऑडियो में लड़की से सेक्स की बात भी हो रही है।गरीब लड़कियों को बनाते थे टारगेट पुलिस के अनुसार, ठगों के निशाने पर वो लड़कियां होती थीं, जिनकी लंबाई साढ़े पांच फीट या इससे अधिक हो। आरोपी ठग झांसा देते थे कि सिर्फ एक दिन की तंत्र क्रिया होगी, इसके बाद आप करोड़पति बन जाएंगे। गरीब परिवारों को अधिक झांसे में लेते थे। अमीर बनने के लालच में गिरोह से जुड़ा था दशरथ सिंह पुलिस की पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी दशरथ सिंह ने बताया कि उसकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी नहीं है और कम समय में अमीर बनने के लालच की वजह से धनवर्षा गिरोह से जुड़ा था। धनवर्षा के बनाए गए वीडियो को देखकर उसको लालच आ गया था।धन वर्षा नोटों की बारिश के नाम पर वाले अंतरराज्यीय गिरोह का एक और सदस्य गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से मोबाइल की ऑडियो और वीडियो के माध्यम से तंत्रमंत्र के कुछ साक्ष्य मिले हैं। हालांकि अभी तक कोई पीड़िता सामने नहीं आई है। जांच कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।-कृष्ण कुमार विश्नोई, एसपी संभल

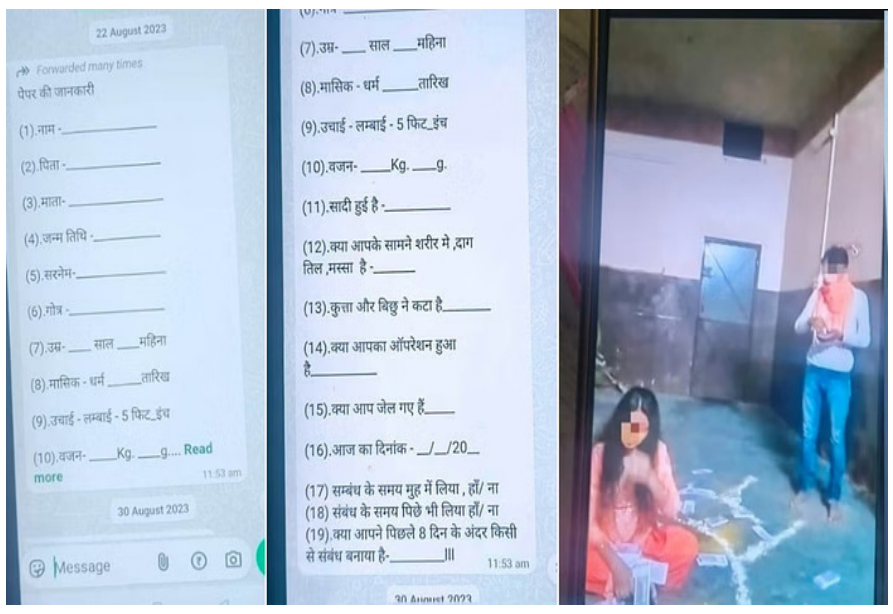

संक्षिप्त समाचार

6 बदमाशों ने मशहूर निर्यातक के घर को बनाया निशाना, बंधक बनाकर लूटा

मुरादाबाद- सिविल लाइन थाना जिगर कॉलोनी में शुक्रवार देर रात 6 बदमाशों ने मिलकर शहर के मशहूर निर्यातक नसीर हुसैन के घर को निशाना बनाया है। हथियारों के बल पर परिवार को बंधक बनाकर लूट की इस घटना को अंजाम दिया है। घटना के बाद इलाके हड़कंप मचा हुआ है। थाना प्रभारी मनीष सक्सेना फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचे। इस घटना के बाद से परिवार के लोग काफी डरे हुए नजर आए।

मुरादाबाद में चाइनीज मांझे के साथ 5 दुकानदार दबोचे, अब भेजे जाएंगे जेल

मुरादाबाद-अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाइनीज मांझे की चपेट में आने से तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में एक पुलिस का जवान, एक महिला बैंककर्मी और एक युवक शामिल था। घटना के बाद से मुरादाबाद पुलिस एक्शन मोड में नजर आ रही है। एसएसपी सतपाल अंतिल के आदेश पर पुलिस द्वारा अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चाइनीज मांझे के खिलाफ सघन चेकिंग अभियान चलाया गया।

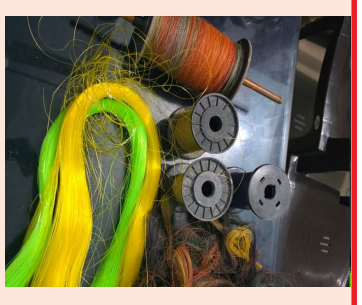

चेकिंग के दौरान पुलिस को 5 दुकानदारों के पास से भारी मात्रा में चाइनीज मांझा मिला है। पुलिस अब इन सभी को जेल भेजने की तैयारी कर रही है। मझोला पुलिस ने किए 4 गिरफ्तारमझोला थाना क्षेत्र से 4 ऐसे दुकानदारों को गिरफ्तार किया गया है, जो चाइनीज मांझे की खरीद-फरोख्त करते थे। पुलिस ने अकरम पुत्र रईस निवासी अख़बार फैक्ट्री, इस्लाम नगर थाना कटघर; हफीज पुत्र इदरीश निवासी गुलफाम मस्जिद के पास, जयन्तीपुर; नावेद हुसैन उर्फ बब्लू पुत्र रियाजुल हसन निवासी जयन्तीपुर थाना मझोला; राजेन्द्र कुमार पुत्र सीताराम सैनी निवासी रामतलैया को गिरफ्तार किया है। पुलिस को इनके पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा मिला है। मुगलपुरा थाना क्षेत्र से मिला एक चाइनीज मांझा तस्कर- पुलिस द्वारा चलाए जा रहे चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान में मुगलपुरा थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार पकड़ा गया व्यक्ति कासिम पुत्र नवी जान निवासी बरबलान थाना मुगलपुरा को भारी मात्रा में चाइनीज मांझे के साथ गिरफ्तार किया गया है। वहीं, मामले पर एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि पिछले कई दिनों से चाइनीज मांझे की चपेट में आने से घायल होने की सूचनाएं मिल रही थीं। इसी को देखते हुए थाना क्षेत्रों में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। आगे भी यह अभियान जारी रहेगा।

मंडी समिति परिसर में मिली युवक की लाश, फैली सनसनी

मुरादाबाद-मझोला थाना क्षेत्र की मंडी समिति परिसर में एक युवक की लहू लुहान लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की शिनाख्त कराई तो पता चला कि युवक पास में ही मझोली का रहने वाला था। लेकिन उसकी मौत कैसे हुई, इस बारे में पुलिस अभी मामले की छानबीन कर रही है।थाना मझोला प्रभारी निरीक्षक रामप्रसाद ने बताया कि मृतक की शिनाख्त पुष्पेंद्र निवासी मझोली चौराहा गली नंबर एक के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। युवक की मौत कैसे हुई, इसकी जानकारी प्राप्त की जा रही है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सट्टे के अड्डे पर पुलिस ने मारा छापा नौ आरोपी को किया गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। शहर के बीच गंगापुर इलाका नशे और गलत धंधों की मंडी बना हुआ है। यहां का सट्टा माफिया तन्नू कई बार गिरफ्तार किया जा चुका है। हर बार जमानत पर छूटकर वह फिर से सट्टे का धंधा शुरू कर देता है। गोपनीय हेल्पलाइन पर सूचना के बाद एसएसपी के निर्देश पर बारादरी थाना पुलिस ने गंगापुर के एक बंद मकान में छापा मारा तो यहां नौ लोगों को सट्टा लगवाते गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से 91330 रुपये, 21 पेन, 113 सट्टा पर्ची, तीन कैल्कुलेटर समेत काफी सामान बरामद हुआ। अजय वाल्मीकि हत्याकांड का मास्टरमाइंड माफिया जगमोहन उर्फ तन्नू इस मकान में सट्टा लगवा रहा था। वह दूर से इस मकान में सीसीटीवी कैमरे लगवाकर निगरानी कर रहा था। दबिश के दौरान वह फरार हो गया। एसएसपी के निर्देश पर पुलिस तन्नू का रिकॉर्ड खंगाल रही है, उसे जिलास्तरीय सट्टा माफिया घोषित करने की तैयारी की जा रही है। बता दें कि बीते दिनों सट्टेबाजों की तलाश में पुलिस ने इसी इलाके में छापा मारा था, तब नकली सॉस बनाने की फैक्टरी का भंडाभोड़ हुआ था।

चाइनीज मुझे को लेकर जिलाधिकारी कार्यालय पे किया जोरदार प्रदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच-सिकंदर राजा

मुरादाबाद सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी कार्यालय पर पहुंच कर चाइनीस माझें के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया है बताया जा रहा है मुरादाबाद में चायनीज मांझा जानलेवा साबित हो रहा है भले ही चायनीज मांझा इस्तेमाल करने वालों की पतंग न कटे और पतंगबाज खुशी मनाएं लेकिन सच्चाई यह है कि पतंगबाज की यही खुशी घर उजाड़ रही है क्योंकि चायनीज मांझा की चपेट में आने से परिवार बर्बाद हो रहे हैं। इसी लेकर सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी में जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन किया और कहा कि चायनीज माझें पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए प्रदर्शन के दौरान सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष रवि चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद महानगर में दिन प्रतिदिन चाइनीज माझे से राह चलते व्यक्तियों के गले कटने से मृत्यु हो रही है, जिसको सुरक्षा के मद्देनजर रखते हुए ऐसे उत्पादों पर रोक लगाएं जो हमारे स्थानीय नागरिकों की जान के लिए हानिकारक है मौके पर मुख्य रूप से महानगर अध्यक्ष दानिश कुरैशी, गोरब कुमार, प्रदीप कुमार ,चमन सिंह, मोहम्मद दानिश खान, महेंद्र, अशोक, आलोक कुमार, दीपमाला शर्मा ,आशु चौधरी दानिश कुरेशी अमित चौधरी, राजकुमार, पूनम गुप्ता प्रशांत सिंह ,केशव शर्मा, हर्ष, आदि कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे

निदा खान बोलीं- जिनके घर वक्फ की जमीनों पर बने, वही कर रहे विरोध

मौलाना तौकीर पर भी साधा निशाना

क्यूँ न लिखूँ सच- सत्यम शर्मा

बरेली।निदा खान बोलीं- जिनके घर वक्फ की जमीनों पर बने, वही कर रहे विरोध आला हजरत हेल्पिंग सोसाइटी की अध्यक्ष निदा खान ने कहा कि वक्फ संशोधन विधेयक मुसलमानों की बेहतरी के लिए है। इससे डरने की जरूरत नहीं है। इसका वही लोग विरोध कर रहे हैं, जिनके आलीशान घर वक्फ की तौकीर रजा खान पर भी रहीं निदा खान ने शनिवार हम वक्फ बोर्ड के बारे में विधेयक के बारे में जानना की भलाई के लिए हैं। कुछ जाएंगी। पुश्तैती जगह चली संपत्तियों पर भूमाफिया का कब्जा निदा खान ने कहा कि वक्फ संपत्तियों पर भूमाफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है। अवैध निर्माण किया जा रहा है। वह कब्रिस्तानों की जमीन तक बेच रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोगों ने कब्जा कर वक्फ की जमीनों पर घर बना लिए। ये जमीनें औरतों, मजलूम व गरीब मुसलमानों के फायदे के लिए दी गई थीं, लेकिन कुछ लोगों ने कब्जा कर मैरिज लॉन खोल लिए हैं। इसमें बड़े-बड़े लोग शामिल हैं। निदा ने मौलाना तौकीर रजा खान का नाम लेते हुए कहा कि उन्होंने नौमहला मस्जिद की दुकानों का सौदा कर दिया था। ऐसे लोग विरोध कर रहे हैं।

जमीनों पर बने हैं। निदा खान ने मौलाना निशाना साधा। आला हजरत की बहू को एक वीडियो जारी कर कहा कि जानते हैं, लेकिन वक्फ संशोधन बहुत जरूरी है। यह बिल मुसलमानों लोगों का कहना है कि मस्जिदें चली जाएगी। ऐसा कुछ नहीं है। वक्फ

ई- के वाईसी नहीं कराई तो राशन कार्ड से कट सकता है नाम

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। बरेली। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के तहत आच्छादित राशन कार्ड धारकों को 30 अप्रैल तक ई-केवाईसी जिले के साथ लाख लोगों ने 30 अप्रैल के बाद उनके नाम सकते हैं। पूर्ति विभाग सत्यापन करवाकर ऐसे लोगों है। राशन कार्ड का उपयोग सीमित नहीं। यह आपका कई सरकारी योजनाओं का

कराना है। अब तक बरेली ई-केवाईसी नहीं कराई है। राशन कार्ड से हटाए जा कोटेदारों के जरिये की सूची तैयार कर रहा सिर्फ राशन लेने तक पहचानपत्र होता है। इससे लाभ मिलता है। कई राज्यों में फर्जी तरह से बीपीएल कार्ड बनवाकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने के मामले आए तो बरेली में भी दो वर्ष पूर्व सत्यापन की मुहिम चलाई गई थी। करीब दो हजार लोगों के राशन कार्ड काटे गए थे। कई जिलों से ऐसे मामले सामने आने पर केंद्र सरकार ने ई-केवाईसी की कवायद शुरू की।

आप नेता अमानतुल्लाह खान पहुंचे सुप्रीम कोर्ट, वक्फ संशोधन बिल को दी चुनौती

दिल्ली में आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान ने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया है। उन्होंने कोर्ट में वक्फ (संशोधन) विधेयक 2025 को चुनौती दी है।आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अमानतुल्लाह खान ने वक्फ (संशोधन) विधेयक मुसलमानों की धार्मिक और सांस्कृतिक स्वायत्तता बनाता है। वहीं धार्मिक और धर्मार्थ कार्यों का प्रबंधन करने खिलाफ शीर्ष कोर्ट पहुंचे कांग्रेस-ओवैसी वक्फ संशोधन एआईएमआईएम ने इसकी वैधता को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती ओवैसी ने अपनी-अपनी याचिकाओं में कहा है कि वक्फ ने आरोप लगाया है कि विधेयक वक्फ संपत्तियों और उनके धार्मिक स्वायत्तता कमजोर होती है। याचिका में कहा गया है इसमें ऐसे प्रतिबंध लगाए गए हैं, जो अन्य धार्मिक बंदोबस्त बिहार के किशनगंज से लोकसभा सांसद ने कहा कि यह करने पर प्रतिबंध लगाता है। इस तरह की सीमा इस्लामी

और उसका पालन करने के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। याचिका में दावा किया गया है कि प्रतिबंध उन लोगों के खिलाफ भेदभाव करता है, जिन्होंने हाल ही में इस्लाम धर्म अपनाया है और धार्मिक या धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए संपत्ति दान करना चाहते हैं। याचिका में कहा गया है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों की प्रकृति निर्धारित करने की शक्ति जैसे प्रमुख प्रशासनिक कार्यों को वक्फ बोर्ड से जिला कलेक्टर को सौंपता है। यह हस्तांतरण वक्फ प्रबंधन की स्वायत्तता को कमजोर करता है और अनुच्छेद 26 (डी) का उल्लंघन करता है। वहीं, एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने अपनी याचिका में इस विधायक को संविधान के खिलाफ और अवैध बताया है। उन्होंने कहा कि इसके प्रावधान संविधान के विभिन्न अनुच्छेदों का सरासर उल्लंघन है और इसे निरस्त किया जाना चाहिए। वक्फ संशोधन विधेयक संसद के दोनों सदनों से पारित हो चुका है। राज्यसभा में 128 सदस्यों ने विधेयक के पक्ष में और 95 ने विरोध में वोट दिया। वहीं, लोकसभा में 288 सदस्यों ने इसका समर्थन किया, जबकि 232 इसके खिलाफ थे। विधेयक के खिलाफ कई राज्यों में प्रदर्शन- वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ शुक्रवार को कई राज्यों में विरोध प्रदर्शन हुआ। जुमे की नमाज के बाद पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, झारखंड, तमिलनाडु, तेलंगाना, कर्नाटक और असम सहित कई राज्यों में मुस्लिम समुदाय के लोग सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शन में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हुए। उत्तर प्रदेश के सभी 75 जिलों में पुलिस हाई अलर्ट पर है। फ्लैग मार्च जारी है। लखनऊ में दरगाहों और मस्जिदों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। कोलकाता और अहमदाबाद में सैकड़ों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने वक्फ विधेयक को वापस लेने के लिए नारेबाजी की। पुलिस ने अहमदाबाद में विरोध प्रदर्शन करने पर ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की गुजरात इकाई के अध्यक्ष और उनके करीब 50 सदस्यों को हिरासत में लिया।

जस्टिस यशवंत वर्मा ने ली न्यायाधीश पद की शपथ, मुख्य न्यायाधीश ने दिलाई शपथ, HCBA ने जताई आपत्ति

विवादों में घिरे जस्टिस यशवंत वर्मा का शपथ ग्रहण शनिवार को करा दिया गया। मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली ने अपने लाइब्रेरी हॉल में जस्टिस वर्मा को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। उनका नाम हाईकोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट पर भी दर्ज हो गया है। हाईकोर्ट बार मुख्य न्यायाधीश् अरुण भंसाली ने दिल्ली हाई कोर्ट से इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजे दिला दी। वहीं, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ने सीजे को पत्र लिख कर आपत्ति बार को शपथ ग्रहण की सूचना से भी दूर रखना, न्यायिक परंपराओं पर सवाल के तबादले को लेकर हाईकोर्ट बार ने तीखी टिप्पणी करते हुए विरोध किया शपथ ग्रहण का बहिष्कार करने के ऐलान के साथ बार एसोसिएशन ने बेमियादी हाईकोर्ट की अधिकारिक वेबसाइट पर जस्टिस वर्मा का नाम देख कर वकील साढ़े नौ बजे ही शपथ दिला दी गई है। हलांकि, सुप्रीम कोर्ट से हरी झंडी एसोसिएशन की प्रतिक्रिया हमारा विरोध जस्टिस यशवंत वर्मा को लेकर नहीं पहली बार गुपचुप तरीके से हुई शपथ से हम हैरान व परेशान है। इस घटना ने न्यायाधीश से अनुरोध है कि वह बुनियादी मूल्यों व परंपराओं के संरक्षण में न्यायाधीश का शपथ ग्रहण न्यायिक प्रणाली में गर्व का मौका होता है। शपथ परंपरा रही है। लेकिन हमारी पीठ पीछे गुप्त तरीके से जस्टिस वर्मा को दिलाई है। सीजे से अनुरोध है कि आरोपों से घिरे जस्टिस वर्मा को न्यायिक कार्य न सौंपे जाएं। -विक्रांत पांडेय, सचिव, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन

एसोसिएशन इलाहाबाद ने आपत्ति जाहिर की है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के गए न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा को शुक्रवार को पद और गोपनीयता की शपथ जताई है। कहा कि हमारी पीठ पीछे दिलाई गई शपथ से वकील आहत है। है। दिल्ली के सरकारी बंगले में बेहिसाब नगदी मिलने के बाद जस्टिस वर्मा था। कहा था कि इलाहाबाद हाईकोर्ट कूड़े का डिब्बा नहीं है। जस्टिस वर्मा के हड़ताल के फैसले को स्थगित किया था। इसी बीच शुक्रवार दोपहर बाद हतप्रभ रह गये। पता लग कि जस्टिस वर्मा को सीजे की लाइब्रेरी में सुबह मिलने तक उन्हें न्यायिक कार्य आवंटित नहीं किया जाएगा।हाईकोर्ट बार है, हम न्यायिक भ्रष्टाचार के खिलाफ है। हाईकोर्ट के गौरवशाली इतिहास में एक बार फिर आम आदमी की न्यायिक व्यवस्था में आस्था घटाई है। मुख्य बार का सहयोग करें। - अनिल तिवारी, अध्यक्ष, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन ग्रहण समारोह सीजे कोर्ट में बार-बेंच की मौजूदगी में आयोजित होने की गई शपथ न्यायिक परंपराओं का हनन है। गुपचुप शपथ की हम निंदा करते

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

ग्राम प्रधान सुकटिया याकूब गंज तहसील बहेड़ी बरेली पर एक साल बाद अपहरण व कत्ल का कोर्ट के आदेश पर हुआ मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बहेड़ी। सुकटिया याकूबगंज में एक महिला के पति की संदिग्ध मौत के मामले में कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने एक साल बाद मामला दर्ज कर लिया है। पीड़िता मुन्नी पत्नी शरीफ अहमद ने बताया कि उसकी बेटी ने पिछले साल 23 मार्च को गांव सुकटिया याकूबगंज के नसीम और मुस्तकीम के खिलाफ थाना बहेड़ी में एक मुकदमा दर्ज कराया था। इस घटना के बाद आरोपी पक्ष के लोग पीड़िता के परिवार से रंजिश मानने लगे और लगातार धमकियां देने लगे। पिछले साल 26 मार्च की रात आरोपी नन्हे उर्फ बाबू, मो. उमर उर्फ कलुआ, रहीस अहमद और राजू ने पीड़िता के घर में घुसकर मुन्नी और उनकी बेटी आरफा के साथ मारपीट की इसके बाद ग्राम प्रधान अरशद मलिक ने साजिश के तहत लईक ग्रामीण की मौत के मामले में एक साल बाद रिपोर्ट दर्ज अहमद और तौसीफ को शरीफ अहमद को चौकी बुलाने भेजा। शरीफ घर से गया, लेकिन फिर लौटकर नहीं आया। पिछले साल तीन अप्रैल को दोपहर में पुलिस ने मृतक शरीफ अहमद के फोन से उसके भतीजे रफीक अहमद को कॉल किया और पूछा कि यह नंबर किसका है, जब रफीक ने बताया कि यह शरीफ अहमद का फोन है, तो पुलिस ने बताया कि शरीफ अहमद की मौत हो चुकी है। पीड़िता का आरोप है कि थाने की पुलिस ने ग्राम प्रधान से मिलीभगत कर ली थी, जिसके चलते उनकी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद पीड़िता चक्कर काटती रही। हालांकि कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज तो किया लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं कर पा रही है ।।

बेकरी में लगी भीषण आग, फायर ब्रिगेड ने छह घंटे में पाया काबू

क्यूँ न लिखूँ सच-सत्यम शर्मा

बरेली। बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के रजऊ परसपुर गांव स्थित बालाजी ट्रेडर्स बेकरी में शुक्रवार रात भीषण आग लग गई। बेकरी में आग रात करीब दो बजे भड़की। घटना से लोगों की नींद उड़ गई। ऊंची-ऊंची लपटें से दहशत फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। आग बुझाने के प्रयास शुरू किए। शनिवार सुबह करीब छह बजे आग पर काबू पाया जा सका। बेकरी में आग लगने का स्पष्ट कारण अभी पता नहीं चला है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से घटना हुई है। आग से काफी सामान जलकर राख हो गया। नुकसान का आकलन किया जा रहा है। गनीमत रही कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई।

अब बेटियों के हाथ पीले होने पर सरकार कन्याओं को देगी 55000 हजार रुपये

क्यूँ न लिखूँ सच- सत्यम शर्मा

बरेली। श्रम विभाग में पंजीकृत श्रमिकों के लिए राहत भरी खबर है। एक साल बाद फिर से कन्या विवाह सहायता योजना के आवेदन शुरू हो गए हैं। इसमें पंजीकृत श्रमिकों को बेटी के विवाह के लिए सरकार की तरफ से 55 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा।

दरअसल, वेबसाइट में खराबी की वजह से वर्ष 2024 में योजना के तहत पंजीकरण होना बंद हो गए थे। इससे करीब 200 श्रमिकों की बेटियों के पैसे अटक गए थे। विभागीय अफसरों के अनुसार अब योजना के तहत पंजीकरण शुरू कर दिए गए हैं। वहीं, पिछले साल के लंबित 180 आवेदनों की भी जांच की जाएगी। श्रम प्रवर्तन अधिकारी राम अवतार शर्मा के अनुसार योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक का विभाग में पंजीकरण होना जरूरी है। ऑनलाइन आवेदन के समय पंजीकृत श्रमिक की बेटी की शादी के कार्ड के साथ लड़के पक्ष की शादी का कार्ड भी जरूरी है। जिसके लिए प्रधान या पार्षद से भी सत्यापन रिपोर्ट के साथ आधार कार्ड और उम्र के लिए किसी दस्तावेज का होना आवश्यक है। बताया कि वर्ष 2017 से 2023 तक 7 हजार 985 श्रमिकों की बेटियों को योजना का लाभ दिया जा चुका है।

संपूर्ण समाधान दिवस में जनता की समस्याओं का हुआ त्वरित निस्तारण

क्यूँ न लिखूँ सच

तहसील दातागंज में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 ब्रजेश कुमार सिंह व अन्य जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ

फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं को सुना व सम्बंधित अधिकारियों उन्हें त्वरित निस्तारण करने के निर्देश दिए। सम्पूर्ण समाधान दिवस में 45 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिसके सापेक्ष 05 शिकायतों एवं समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया गया। जिलाधिकारी ने समाधान दिवस के मौके पर यह भी कहा कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने कहा कि सम्पूर्ण समाधान दिवस लोगों की समस्याओं को सीधे प्रशासन तक पहुंचाने का एक प्रभावी माध्यम है, जहां शासन की मंशा के अनुरूप जनता को त्वरित एवं प्रभावी राहत प्रदान की जाती है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों से अपेक्षा की कि वह शिकायतों का निस्तारण केवल कागजों तक सीमित न रखें, बल्कि वास्तविक रूप से समाधान हो, जिससे फरियादी संतुष्ट होकर लौटे। जिलाधिकारी ने भूमि संबंधी प्रकरणों, राजस्व, विद्युत, जल, पेंशन, आवास, मनरेगा, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, राशन कार्ड आदि से जुड़ी समस्याओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने निर्देश दिए कि ऐसे मामलों में विभागीय अधिकारी व्यक्तिगत रुचि लें और टीम भावना के साथ कार्य करते हुए जन विश्वास अर्जित करें। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता, विशेषकर महिलाएं, बुजुर्ग और दिव्यांगजन बड़ी आशा लेकर समाधान दिवस में आते हैं, उनकी शिकायतों को गम्भीरता से सुनना और पूरी सहानुभूति के साथ समाधान देना प्रशासन की नैतिक जिम्मेदारी है। इसका सभी ख्याल रखें।

एसएसपी ने कहा कि पुलिस विभाग आमजन की सुरक्षा और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने उपस्थित पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी प्राप्त शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्राथमिकता के आधार पर निष्पक्ष और समयबद्ध रूप से निस्तारित किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी पीड़ित व्यक्ति थाने के अलावा सम्पूर्ण समाधान दिवस एक सुनहरा अवसर है, जहाँ उसकी बात को सीधे उच्च स्तर पर सुना और समझा जाता है। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि पुलिस की भूमिका अब केवल अपराध नियंत्रण तक सीमित नहीं रही, बल्कि अब जनता की समस्याओं को समझना और उनके समाधान की दिशा में संवेदनशील पहल करना भी हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि हर फरियादी की शिकायत को एक मानवीय दृष्टिकोण से देखा जाए और उसे न्याय मिले, यह सुनिश्चित करना पुलिस विभाग का कर्तव्य है। संपूर्ण समाधान दिवस में आने वाली शिकायतों में राजस्व, पुलिस, बिजली, जल आपूर्ति, स्वास्थ, सामाजिक कल्याण, कृषि, पेंशन, आवास और शिक्षा से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से रहीं। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए और शिकायतकर्ता को संतोषजनक उत्तर भी दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि समाधान दिवस केवल औपचारिकता नहीं है, बल्कि यह शासन और जनता के बीच संवाद का सेतु है। यह मंच नागरिकों को सीधे प्रशासन से जुड़ने और अपनी समस्याएं साझा करने का अवसर देता है। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी केशव कुमार, उप जिलाधिकारी दातागंज धर्मेन्द्र कुमार सिंह, क्षेत्राधिकारी दातागंज सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समाधान दिवस में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और आम नागरिकों ने भाग लिया।

अंतर्जनपदीय मोटर साइकिल चोरी करने वाले गिरोह का किया बड़ा खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह के कुशल निर्देशन में एंव पुलिस अधीक्षक नगर,बदायूँ अमित किशोर श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी दातागंज के0के0 तिवारी के नेतृत्व में, थाना हजरतपुर पुलिस टीम द्वारा मु0अ0सं0 43/2025 धारा 318(4), 317(5), 336(3) BNS व धारा 3/25(1क्ष)ड्ड, 4/25 आर्म्स एक्ट बनाम अभियुक्तगण 1.सालिम पुत्र जाहिद हुसैन निवासी मो0बड़ा परा थाना दातागंज जिला बदायूं 2. अली हुसैन पुत्र इजा हुसैन उर्फ भूरे निवासी ग्राम श्रीनगर थाना कलान जिला शाहजहाँपुर 3. रिजवान पुत्र आले हसन निवासी ग्राम कौमी थाना परौर जिला शाहजहाँपुर 4. समीर पुत्र इकबाल निवासी मो0 बड़ा परा थाना दातांगज जिला बदायूं को कारण गिरफ्तारी बताकर एक अदद तमंचा नाजायज 315 बोर, दो जिंदा कारतूस 315 बोर, तीन चाकू नाजायज, तीन चोरी की मोटर साइकिल (एक पल्सर, एक पैशन प्रो., एक टीवीएस) व एक मोटरसाइकिल अपाचे (अन्तर्गत धारा 207 एमबी एक्ट मे सीज) व गिरफ्तारी चार नफर अभियुक्त बरामद माल सहित मय 20.51 बजे गिरफ्तार किया गया । अभियुक्तगणों उपरोक्त के विरुद्ध विधिक कार्यवाही कर माननीय न्यायालय जनपद बदायूं के समक्ष पेश करने हेतु रवाना किया जा रहा है ।

अंसल टाउनशिप का 7.68 करोड़ रुपये का बिल बकाया, विभाग ने काटी बिजली; विद्युत संकट से जूझी 25 हजार की आबादी

अंसल टाउनशिप के 7.68 करोड़ रुपये के बिल बकाये पर बिजली काटी गई। दोपहर 12ः20 से बिजली ठप होते ही जनरेटर और इनवर्टर चलने लगे। बिजली कटते ही 25 हजार की आबादी बिजली संकट की चपेट में आ गई।राजधानी लखनऊ में अंसल सुशांत गोल्फ सिटी टाउनशिप की शनिवार को चार घंटे तक बिजली कटी रही। यह बिजली दोपहर 12ः20 बजे काटी गई। शाम 4ः20 बजे तक नहीं जुड़ सकी। अंसल की इस टाउनशिप पर 7.68 करोड़ रुपये का बिजली बिल बकाया है। इससे पांच हजार परिवारों एवं कारोबारियों की करीब 25 हजार की आबादी बिजली संकट की चपेट में आ गई। हालांकि, अंसल टाउनशिप के शत प्रतिशत उपभोक्ता जनरेटर एवं इनवर्टर सुविधा युक्त हैं, मगर इससे बंगले, फ्लैट एवं व्यावसायिक शोरूमों का फुल बिजली लोड चलना संभव नहीं होता है। इसके लिए उपभोक्ताओं को बिजली कटौती से परेशानी उठानी पड़ी। इससे पहले 26 फरवरी को भी बिजली काटी गई थी। तब प्रबंधन ने वादा किया था कि रोजाना 10 लाख रुपये का भुगतान करेंगे, लेकिन नहीं किया।महज 10 लाख रुपये का भुगतान किया गया राजभवन खंड के एक्सईएन अनुज कुमार ने शनिवार को बताया कि मेसर्स अंसल प्रॉपर्टीज एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के कनेक्शन पर 7.68 करोड़ रुपये की देनदारी है। तमाम नोटिस के बाद भी अंसल ने बिल का भुगतान नहीं किया। अंसल पर 4.76 करोड़ रुपये की देनदारी मार्च एवं 2.91 करोड़ रुपये अप्रैल की हैं। अंसल के द्वारा महज 10 लाख रुपये का भुगतान किया गया है। जबकि, अंसल टाउनशिप में औसतन रोजाना 10 लाख रुपये की बिजली का उपभोग किया जा रहा है।

स्कूल बना जंग का अखाड़ा, प्रधानाध्यापक और प्रधानपति में हुई मारपीट

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज क्षेत्र के खान-आलमपुर गांव स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय में शुक्रवार को उस समय हंगामा मच गया जब प्रधानाध्यापक विजेंद्र बाबू और ग्राम प्रधान के पति के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। प्रधानपति का आरोप है कि एमडीएम (मिड-डे मील) में गड़बड़ी को लेकर की गई शिकायत के चलते विवाद हुआ। सुबह समय से स्कूल न पहुंचने की शिकायत पर प्रधानपति स्कूल पहुंचे, जहाँ 9ः10 बजे आए प्रधानाध्यापक से कहासुनी शुरू हुई और बात लात-घूंसे तक पहुंच गई। दोनों पक्ष एक-दूसरे पर गेट बंदकर मारपीट के आरोप लगा रहे हैं। इस झगड़े में शिक्षक भी चुटैल हुए हैं। घटना का वीडियो सामने आया है, जो स्कूल को जंग का अखाड़ा बनते हुए दिखा रहा है।

युवक ने फंदे पर लटक कर दी जान

क्यूँ न लिखूँ सच-लवकुश ठाकुर

अलीगढ़ हरदुआगंज। कस्बा के मोहल्ला महाब्राम्हण में शाम को युवक ने घर के कमरे फंदे पर लटक कर जान दे दी। आत्महत्या का कारण स्वजनों द्वारा शराब पीने से रोकना बताया गया है। मोहल्ला महाब्राम्हण के कांति सिंह के दो बेटों में ऋषि कुमार बड़ा था। मोहल्ले के लोगों के मुताबिक ऋषि को शराब पीने की लत लग गई थी। स्वजनों शराब पीने मना करते हुए ऋषि से डांट फटकार कर दी थी जिससे क्षुब्ध 25 वर्षीय ऋषि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फंदे पर लटक गया। काफी देर तक कमरा नहीं खुलने पर स्वजनों ने शोर मचाते हुए पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा तब तक ऋषि की मौत हो चुकी थी। उसकी मौत से परिवार में कोहराम मचा था। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी थी।

युवक ने प्यार के जाल में फंसाकर युवती से किया फर्जी निकाह, नकदी-जेवर हड़पे, पीटकर घर से निकाला

बारादरी थाना क्षेत्र का युवक युवती को प्रेम जाल में फंसाकर ले गया। उससे फर्जी निकाह कर जेवर और नकदी हड़प ली। पीड़ित ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।बरेली के बारादरी थाना क्षेत्र में एक युवक ने युवती को मीठी बातों में फंसाया और फुसलाकर अपने साथ ले गया। युवक ने उससे फर्जी निकाह कर लिया। युवती के जेवर और नकदी भी हड़प लिए। पीड़ित युवती ने बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।बारादरी इलाके की निवासी युवती ने पुलिस को बताया कि अफसार नाम का युवक उससे फोन पर बात करता था। प्रेमजाल में फंसाकर निकाह का झांसा देकर उसे साथ में ले गया।

अफसार ने उससे दिखावे को निकाह भी कर लिया। उसके 50 हजार रुपये और सोने के जेवर बहाने से ले लिए। युवती का आरोप है कि अफसार का भाई, बहनोई और उसका चाचा युवती पर गलत नजर रखते थे। अक्सर अश्लील हरकत करते थे। अफसार का पिता दहेज में बाइक और पांच लाख रुपये की मांग करता है। उक्त लोगों ने उसे पीटकर घर के पास छोड़कर चले गए। युवती की शिकायत पर बारादरी पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। आंवला- दहेज की मांग पूरी न होने पर दिया तीन तलाक, रिपोर्ट आंवला थाने में तीन तलाक का मामला दर्ज कराया गया है। पीड़ित खालिदा खान ने बताया

कि डेढ़ साल पहले प्रेम प्रसंग के बाद उसका निकाह दरावनगर गांव निवासी युवक सद्दाम खान के साथ हुआ था। निकाह के कुछ समय बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग उसे अपशब्द कहकर अपमानित करने लगे। कारोबार बढ़ाने के लिए धीरे-धीरे उसके सारे जेवर हड़प लिए। दो महीने पहले बेटी के जन्म होने के बाद से ससुरालियों ने उसे और ज्यादा परेशान करना शुरू कर दिया। शहर में प्लॉट खरीदने के लिए पांच लाख के दहेज की मांग शुरू कर दी। मांग पूरी न होने पर 28 फरवरी को रात दस बजे ससुरालियों ने विवाहिता की पिटाई लगाई। पति ने तीन तलाक बोलकर दो महीने की बेटी के साथ घर से निकाल दिया। विवाहिता का आरोप है कि बाद में उसे जानकारी हुई कि पति सद्दाम पहले भी शादी कर चुका है और उसके दो बेटियां व एक बेटा भी है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी सद्दाम खान, ससुर रईस खान, सास नाजिर व देवर फारूख खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संक्षिप्त समाचार

अवैध हथियार के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना। पुलिस ने चैकिंग के दौरान भूत वाले बाग, कैराना-झिंझाना रोड के पास एक व्यक्ति, रजत पुत्र आदर्श, निवासी ग्राम बन्तीखेड़, थाना बाबरी, जिला शामली (उम्र 26 वर्ष) को गिरफ्तार किया। आरोपी के पास से एक देशी अवैध तमंचा 315 बोर और दो जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद हुए। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने यह हथियार अपनी सुरक्षा के लिए खरीदा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की। गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई के दौरान माननीय सर्वोच्च न्यायालय व मानवाधिकार आयोग के दिशा निर्देशों का पालन किया गया।

शामली जिले के तीन विद्यार्थियों ने सर्वोदय आवासीय विद्यालय में हासिल की सफलता

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना। शामली जिले से तीन होशियार बच्चों का चयन राजकीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय सर्वोदय आवासीय विद्यालय सहारनपुर में हुआ है, जो उनके लिए एक नई शुरुआत का प्रतीक है। 1. अरमान चौहान पुत्र चौधरी मुंसाद अली चौहान - कक्षा 6, दभेडी खुर्द 2. शाद पुत्र दीन मोहम्मद - कक्षा 6, भूरा 3. अब्दुल्ला पुत्र मुस्ताकीम - कक्षा 9, रामडा इन बच्चों की इस सफलता पर उनके परिवार और समुदाय में गर्व का माहौल है। यह न केवल उनके संघर्ष और मेहनत का फल है, बल्कि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है। इस चयन के साथ, बच्चों को एक उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा, जो उनके भविष्य को संवारने में मदद करेगा। समुदाय के सदस्यों ने इन बच्चों की उपलब्धियों को सराहा है और उम्मीद जताई है कि ये बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में और भी ऊचाइयों को छूएंगे।

बिखरते परिवारों को एक डोर से बांधने का सहारा बनी बदायूं पुलिस

क्यूँ न लिखूँ सच ?

रिजर्व पुलिस लाईन बदायूं में आयोजित परिवार परामर्श केंद्र के सहयोग से तथा मौजूद काउंसलर व संबंधित पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण प्रभारी श्रीमति माया देवी व महिला हेड कांस्टेबल कविता, व महिला कांस्टेबल स्वाति , राखी, संध्या व डॉली द्वारा पारिवारिक समस्याओं की कुल 12फाइलें लगाई गई। जिनमें से 07 फाइलों की काउंसलिंग हुई, 03 फाइलों में समझौता हुआ । शेष फाइलो में अग्रिम तिथि दी गई एवं उपस्थित पक्षों को सुना गया और उनकी समस्याओं के निवारण का विचार किया गया। 01 पारिवारिक समस्या के मामले में एक पक्ष उपस्थित हुआ उसमें अग्रिम तिथि दी गई तथा दूसरे पक्ष को तिथि पर आने हेतु सूचित किया गया है।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

मीट फैक्ट्री के खिलाफ भाजपा मंडल अध्यक्ष से मिलकर नगर वासीयों ने रखी अपनी मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना। मीट फैक्ट्री के कारण स्थानीय निवासियों के जीवन पर मंडरा रहे खतरों ने एक बार फिर

क्षेत्रवासियों को आक्रोशित कर दिया है। अनगिनत जानलेवा बीमारियों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है, जिसके चलते कस्बे के लोग अब अपनी आवाज उठाने को मजबूर हो गए हैं। स्थानीय लोगों ने भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अतुल मित्तल से मिलकर इसके खिलाफ एक मांग पत्र देने एवं घनी आबादी के बीच मीम एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (मीट फैक्ट्री) के खिलाफ अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस मीट फैक्ट्री से उठती बदबू ने क्षेत्रवासियों की दिनचर्या को मुश्किल बना दिया है। लोगों का कहना है कि वे इस भयंकर दुर्गंध के कारण अपने घरों में भी ठीक से नहीं रह पा रहे हैं। इसके अलावा, यह फैक्ट्री आसपास के जल स्रोतों को भी प्रदूषित कर रही है, जिससे लोगों को साफ पानी भी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि पिछले कुछ समय से काले-पीलें के मामले तेजी से बढ़े हैं, और ये बीमारियाँ स्पष्ट रूप से मीट फैक्ट्री के प्रभाव का परिणाम हैं। नीय लोगों का यह भी कहना है कि यदि तुरंत कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में और भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अतुल मित्तल ने भी इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करते हुए आश्वासन दिया कि वह संबंधित प्राधिकरण से बातचीत करेंगे और इस समस्या का समाधान खोजने का प्रयास करेंगे। कैराना के लोग अब इस बात को लेकर एकजुट हैं कि उन्हें अपनी आवाज उठानी होगी और अपने स्वास्थ्य और जीवन की सुरक्षा के लिए इस मीम एग्रो फूड्स प्राइवेट लिमिटेड (मीट फैक्ट्री) के खिलाफ संघर्ष करना होगा। अगर तत्काल कार्रवाई नहीं की गई, तो यह मीट फैक्ट्री क्षेत्र के निवासियों के लिए एक भयानक भविष्य का संकेत दे सकती है। इस अत्यावश्यक मुद्दे पर क्षेत्रवासियों की एकता और संघर्ष की आवश्यकता है। सभी का यह सपना है कि वे एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रह सकें। अब देखना ये है कि क्या स्थानीय प्रशासन इस संकट का समाधान करेगा या लोगों को अपनी आवाज उठानी पड़ेगी। इन्होंने कहा..... रतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष अतुल मित्तल ने कहा कि मीट फैक्ट्री जनजीवन पर संकट और बीमारियों का खतरा बनी हुई है। इस समस्या को लेकर कुछ कस्बा वासी आए है और उन्होंने मीट फैक्ट्री के खिलाफ शिकायत की है नगर वासियों की इस समस्या को शीघ्र ही उच्च स्तर पर उठाकर इसके निस्तारण का प्रयास किया जाएगा

जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में ऑफीसर्स क्लब फतेहगढ़ में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- संम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 44,पुलिस की 14,विकास विभाग की 06, विद्युत विभाग की 07, चकबंदी की 03 व अन्य विभागों की 12 शिकायते कुल 86 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनमे से 04 का मौके पर निस्तारण किया गया। ठगी के पीड़ितों ने तहसील दिवस का खडखडाहट दरवाजा तहसील दिवस में शिकायत करनें पंहुचे प्रिंश कटियार निवासी सेंट्रल जेल ने बीसी संचालक पिंटू शर्मा द्वारा उनके साथ ही अन्य लोगों के बीसी के नाम पर करोड़ो रूपये लेकर फरार हो जानें की शिकायत की7 पीड़ित प्रिंश नें बताया कि वह पूर्व में कोतवाली फ़तेहगढ़, पुलिस अधीक्षक को शिकायत कर चुके है लेकिन कोई कार्यवाही नही हुई7 जिलाधिकारी द्वारा प्राप्त शिकायतों का शासन की मंशा के अनुरूप प्राथमिकता के आधार पर तय समय सीमा के अंदर निस्तारण करने के आदेश अधिकारियो को दिये। मुख्य विकास अधिकारी अरबिंद कुमार मिश्रा आदि अधिकारी रहे7

हार्डवेयर व पेंट की दुकान में भीषण आग, जिससे हड़कंप मच गया

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- हार्डवेयर व पेंट की दुकान में भीषण आग लग गयी7 जिससे हड़कंप मच गया7 दुकान के पीछे मकान में रह रहे दुकानदार व उनके स्वजनों नें पड़ोसी की छत पर कूदकर जान बचाय7 आग से लगभग डेढ़ करोड़ का माल राख हो गया

कोतवाली फतेहगढ़ के बेबर रोड ओवर ब्रिज के नीचे आनन्द कुमार शर्मा की हार्डवेयर व पेंट की दुकान है

दुकान में ही पीछे मकान में आनन्द शर्मा परिवार के साथ रहते हैं7 बीती रात लगभग 12ः30 बजे अचानक शार्टसर्किट से दुकान व घर के निकास में आग लग गयी7 जानकारी होनें पर घर में सो रहे आनन्द शर्मा और उनके परिजनों में चीख-पुकार मच गयी7घर के मुख्य दरवाजे पर आग होनें से वह बाहर भी नही निकल पा रहे थे

जिसके बाद आनन्द शर्मा नें पड़ोसी की छत पर कूदकर खुद की व परिजन की जान बचायी7 आग की जानकारी मिलने पर दमकल की कुल 5 गाड़ी मौके पर पंहुची और लगभग 5 घंटे बाद सुबह 5 बजे आग पर काबू पाया7 दुकानदार आनन्द शर्मा का कहना है कि आग दुकान के ऊपर से निकले बिजली तार से आग लगने का आरोप लगाया7 आनन्द शर्मा नें बताया कि लगभग डेढ़ करोड़ का पेंट व हार्डवेयर का सामान जलकर राख हुआ है7

सम्राट अशोक, राजा निषाद एवं महर्षि कश्यप जयंती समारोह धूमधाम से संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद- आवास विकास स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में भारत के गौरवशाली इतिहास की तीन महान विभूतियों - सम्राट अशोक, राजा निषाद एवं महर्षि कश्यप की जयंती पूरे सम्मान, श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई गई। समारोह की अध्यक्षता समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष चंद्रपाल सिंह यादव ने की। इस अवसर पर लोकसभा प्रत्याशी डॉ. नवल किशोर शाक्य एवं डॉ. रामकृष्ण राजपूत ने माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। जिला अध्यक्ष अशोक केवल भारत ही नहीं, बल्कि विश्व इतिहास उन्होंने हिंसा का त्याग कर बुद्ध के धम्म मार्ग पर दिया। उन्होंने कहा कि राजा निषाद और महर्षि कश्यप की और समाज के वंचित वर्गों को दिशा दिखाई। विचारों को अपनाकर समाजवादी पार्टी को मजबूत दूरदृष्टि, नेतृत्व और धर्म आधारित शासन व्यवस्था समाज के उत्थान का प्रतीक बताया और कहा कि को उन्होंने भारत की ज्ञान परंपरा का वाहक बताते हुए दृष्टिकोण से मार्गदर्शक हैं। उन्होंने कहा कि इन कर्तव्य है। डॉ. रामकृष्ण राजपूत ने कहा कि सम्राट है, न कि शोषण के लिए। राजा निषाद और महर्षि और न्याय को स्थापित करने में अहम रहा है। उन्होंने चेतना का कार्य है। जिला प्रवक्ता विवेक सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव निरंतर ऐसे महापुरुषों और समरसता की स्थापना में रहा है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी समरसता, शिक्षा और बराबरी के यादव ने कहा कि सम्राट अशोक जैसे शासक विरले अपनाया। उनका 'धम्म' आज भी भारतीय समाज के बताता है कि एक सच्चा नेता वही है जो सत्ता को ने कहा कि वर्तमान भाजपा सरकार पिछड़े, दलित है। पीडीए वर्ग के हक पर डाका डालकर खास वर्ग को लाभ पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राजा निषाद, अशोक और महर्षि कश्यप ने समाज के हाशिए पर खड़े लोगों को ताकत देने का काम किया था और समाजवादी पार्टी उनके पदचिह्नों पर चल रही है। फ्रंटल संगठन प्रभारी एवं जिला सचिव रामपाल सिंह यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि सम्राट अशोक, राजा निषाद और महर्षि कश्यप भारत के उस गौरवशाली अतीत के प्रतीक हैं जिसमें न्याय, समता और समान अवसर की भावना निहित है। उन्होंने कहा कि आज की राजनीति में जब सामाजिक संतुलन को तोड़ने की कोशिशें हो रही हैं, तब ऐसे महापुरुषों की जयंती मनाकर हम सामाजिक चेतना को फिर से जीवित कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रीय सचिव बाबा साहब वाहिनी अशोक अंबेडकर, राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी बंटी यादव, नगर अध्यक्ष मोहम्मदाबाद मनोज यादव, एडवोकेट राजपाल यादव, जिला उपाध्यक्ष सुभाष चंद्र शाक्य, गोपाल यादव, आशू यादव, सरिता शाक्य,गौरव यादव, मोहित कुमार, आशीष यादव, छात्र सभा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अखिल कठेरिया, अजब सिंह शाक्य, सुधीर शाक्य, शिवशंकर शर्मा, अश्वनी शाक्य, अरुण प्रताप, अजय कुमार, अजबविजय अनुरागी, कुलदीप शाक्य, मुख्तार आलम, आयुष यादव, अभिषेक शाक्य (प्रधान - मझोला), अनमोल यादव, पुष्पेंद्र कुशवाहा, कौशलेंद्र सिंह कश्यप, सुमित कुशवाहा, महेंद्र सिंह, धर्मवीर सिंह समेत बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष अभिषेक शाक्य द्वारा किया गया एवं संचालन जिला प्रवक्ता विवेक सिंह यादव ने किया।

चंद्रपाल सिंह यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सम्राट के सबसे महान शासकों में गिने जाते हैं। कलिंग युद्ध के बाद चलकर करुणा, मानवता और सामाजिक समरसता का संदेश जैसे महापुरुषों ने भारतीय समाज की नींव को मजबूती प्रदान यादव ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे इन महापुरुषों के करें। डॉ. नवल किशोर शाक्य ने कहा कि सम्राट अशोक की आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने राजा निषाद को आदिवासी उन्होंने हाशिए पर पड़े समाज को नेतृत्व दिया। महर्षि कश्यप कहा कि उनकी रचनाएँ आज भी वैज्ञानिक और आध्यात्मिक विभूतियों का योगदान नई पीढ़ी तक पहुँचाना हम सबका अशोक का जीवन एक प्रेरणा है कि सत्ता सेवा के लिए होती कश्यप का योगदान सामाजिक संरचना में एकता, समरसता कहा कि इन महापुरुषों की स्मृति को जीवंत रखना सामाजिक ने कहा कि समाजवादी पार्टी विचारों और मूल्यों की पार्टी है। को स्मरण करते हैं जिनका योगदान सामाजिक न्याय, भाईचारे जब भाजपा नफरत और झूठ की राजनीति में लगी है, तब लिए संघर्षरत है। भोजपुर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ही होते हैं, जिन्होंने युद्ध के बजाय शांति और धर्म का मार्ग लिए प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने कहा कि अशोक का जीवन जनता की सेवा में लगाता है। जिला उपाध्यक्ष सौरभ कटियार और अल्पसंख्यक समाज को उनके हक से वंचित कर रही

संक्षिप्त समाचार

03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया

क्यूँ न लिखूँ सच -शैलेंद्र कुमार पांडेय

दिल्ली- पुलिस अधीक्षक बहराइच के निर्देशन में सामाजिक रिश्तों को बचाने हेतु किये जा रहे प्रयासों के क्रम में पुलिस कार्यालय स्थित 'परिवार परामर्श केन्द्र' द्वारा आपसी परिवारिक विवाद को समाप्त कराकर 03 परिवारों में सुलह कराते हुए परिवारों को टूटने से बचाया आवेदिका द्वारा आपसी परिवारिक विवाद के सम्बन्ध में

पुलिस अधीक्षक महोदय के समक्ष सुलह हेतु प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसके निस्तारण हेतु पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा प्रभारी परिवार परामर्श केन्द्र को निर्देशित किया गया। परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा शिकायतकर्ता की शिकायतों को विस्तारपूर्वक सुनकर-समझकर द्वितीय पक्ष से सम्पर्क करके उन्हें पुलिस कार्यालय स्थित परिवार परामर्श केंद्र बुलाया गया तथा दोनों पक्षों को समझाया गया, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों द्वारा भविष्य में आपस में लड़ाई-झगड़ा न करने तथा परिवारिक कर्तव्यों का पालन करते हुए खुशी-खुशी साथ रहने की बात कही गयी। आपसी सुलह होने पर दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ आपस में सामंजस्य स्थापित कर परिवारिक दायित्यों को सही प्रकार से निर्वहन करने हेतु सलाह दी गयी।

माता शाकुंभरी देवी अठठे वाले मंदिर में प्रसाद चढ़ाने के लिए लगी श्रद्धालुओं की भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली सिद्ध पीठ माता शाकुंभरी देवी अठठे वाले मंदिर में नवरात्रों अष्टमी पूजन के लिए मां शाकुंभरी देवी का भोग लगाने के लिए भक्त जनों की सुबह 4ः00 बजे से भीड़ लगने शुरू हो गई जिसमें मंदिर कमेटी ने भक्तजनों के लिए माता शाकुंभरी देवी के दर्शन करने के लिए पेढ बनवाया था कि भक्तजन लाइन में चलकर माता रानी के दर्शन कर और भक्तजन अपने लाइन में रखकर माताशा कुमारी देवी के दर्शन कर प्रसाद का भोग लगाया जाए

तालाब में फैली घास और गंदगी से मौहल्ले में बढ़ रही बीमारियां, सफाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच -मनीष मित्तल

कैराना। नगर पालिका की लापरवाही के चलते कैराना के मौहल्ला अफगानान के निवासियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। यहां स्थित नवाब पक्का तालाब में अत्यधिक घास और कीचड़ जमा हो गया है, जिससे पानी की निकासी में बाधा उत्पन्न हो रही है। जमा पानी में जहरीले मच्छरों के प्रजनन के कारण बच्चों समेत कई निवासियों की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने लगी है। शनिवार को स्थानीय निवासी और किसान यूनियन के प्रदेश सचिव, शोएब खान ने इस समस्या से संबंधित एक प्रार्थना पत्र तहसील दिवस प्रभारी को सौंपा है। उन्होंने बताया कि पानी में घास और कीचड़ की भरमार के चलते मौहल्ले में बुखार और अन्य बीमारियों के मामलों में वृद्धि हुई है, जिसके परिणामस्वरूप कई दुखद मौतें भी हो चुकी हैं। शोएब खान ने यह भी कहा कि उन्होंने पहले ही नगर पालिका को इस विषय में सूचना दी थी, लेकिन नतीजा कुछ नहीं निकला। उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया है कि वे इस गंभीर मुद्दे पर जल्द से जल्द कार्रवाई करें और तालाब की सफाई सुनिश्चित करें। मौहल्ले के निवासियों का कहना है कि यदि समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में स्थिति और भी विकराल हो सकती है। इसलिए प्रशासनिक अधिकारियों से अपेक्षित है कि वे इस मामले को प्राथमिकता के आधार पर लें। जिला प्रशासन और नगर पालिका के ध्यान में लाने के लिए स्थानीय जनता ने एकजुट होकर इस मुद्दे का समाधान खोजने की अपील की है। उन्हें उम्मीद है कि उनकी आवाज सुनी जाएगी और स?तत स्वास्थ्य समस्या का समाधान किया जाएगा।

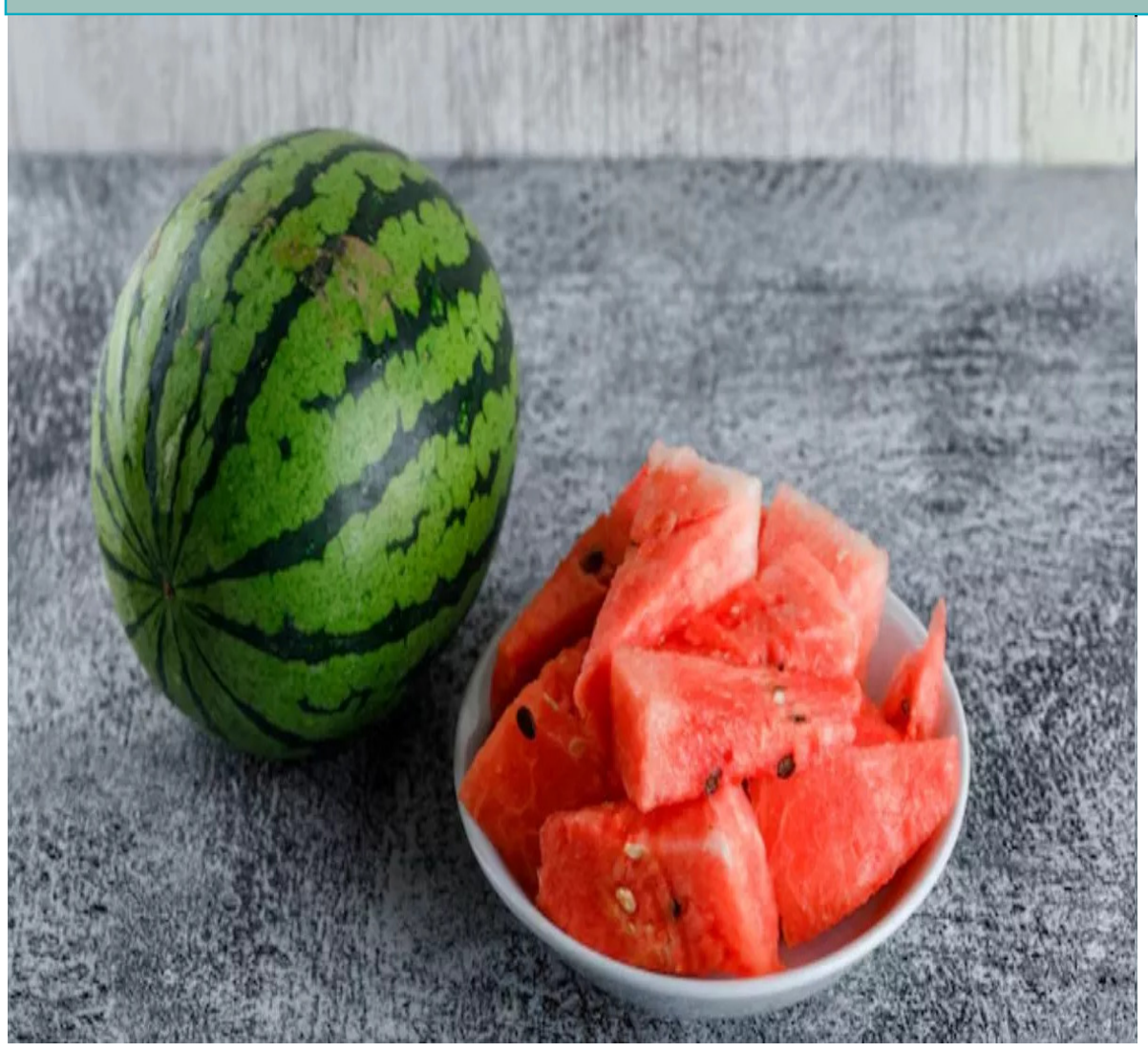

Watermelon is a storehouse of qualities in summer, if you eat it daily, you will get 5 big benefits; include it in the diet like this

Special care has to be taken of health in summer. These days, due to lack of water in the body, you can be surrounded by many types of diseases. For this, you can include some special fruits in your diet. One of them is watermelon (Benefits of Eating Watermelon in Summer). This fruit contains more than 90 percent water. Watermelon must be eaten in summer. It keeps the body hydrated. By eating it, you can avoid overeating. Watermelon is considered a better option to keep the body cool and hydrated in summer. This is a fruit which contains more than 90 percent water. It contains many types of nutrients like potassium, riboflavin, iron, calcium, zinc, fiber, niacin, iron, vitamin-A, B, C and lycopene. These work to keep the body fit and healthy. Watermelon is a panacea for summer. Eating it not only keeps the body hydrated, but also provides many other health benefits. Today we are going to tell you about the benefits of eating watermelon in summer. We will also know the right way to eat them. Let's know in detail- Prevents dehydration No one will be unaware of the fact that watermelon contains plenty of water. It fulfills the lack of water in the body. Along with protecting from dehydration, it also keeps the body cool. Watermelon must be included in your diet in summer. Keeps digestion healthy Watermelon contains a good amount of fiber. It helps in keeping the digestive system healthy. It reduces the problem of constipation and keeps the stomach light. Helpful in reducing weight- Watermelon can be a great option for those who want to lose weight. It is very low in calories and high in fiber, which keeps the stomach full for a long time and one does not feel hungry again and again. Brightens the skin as wellWatermelon contains a good amount of antioxidants and vitamin C. It helps in making the skin glowing. It keeps the skin hydrated and also helps in reducing wrinkles. Keeps the heart healthy Watermelon contains an element called lycopene, which takes care of heart health. Apart from this, it also controls the level of cholesterol. Keeps blood pressure balanced. Consume it like this Watermelon can be eaten as a salad. It can be drunk as juice. Shake or smoothie can also be made. Keep these things in mind After buying watermelon, it should be immersed in water for some time. Do not store watermelon for many days after cutting it. Watermelon contains more than 90 percent water, so avoid drinking water, juice or other beverages after eating it. This affects the digestive process.

Does your child look bad in the exam even after studying for hours? These 5 big mistakes are being made by most parents

Does your child spend hours with books but still is unable to score good marks in the exam? If yes, then this article is for you. Here we are going to tell you those 5 big mistakes which are being made by most of the parents knowingly or unknowingly and its bad effect is also visible on the studies (Exam Performance) of the children. Many times, even after hard work, children are not able to score well in the exam. Some mistakes of parents can be responsible for this poor performance. By correcting these mistakes, you can make children better in studies. Children should put in their full effort during studies, but many times it happens that children keep their heads buried in books for hours, but still are not able to score well in the exam. If this is happening with your child as well, then it is possible that you are making some such mistakes (Parenting Mistakes in Studies), which are hindering their success. Let us know about those 5 big mistakes (Exam Preparation Mistakes), which are being done by most of the parents knowingly or unknowingly. Putting too much pressure on children Many parents believe that if children study more, they will be able to score good marks. They give ultra-high expectations to children and put more pressure than necessary, which can spoil the mental state of the child. This pressure not only weakens the child's confidence, but it also increases anxiety and stress. What to do? Explain to the child that good results come only with hard work and consistency. Also, give children some rest and entertainment time during studies so that they feel mentally refreshed. Not guiding properly Some parents just tell children to study, but never tell them how to study. Should studies be done in an exciting way or a smart way? Not explaining the right way of time management and study to children has a direct impact on their success. What to do? Teach the child about smart study tools like time table, making notes, and revision methods. Also, explain to the children that studying should not be just a chore but also a happy experience. Focusing only on academic success Parents often believe that the child's good performance should be only in books, but they forget that personality development and social skills are equally important for children. Focusing only on studies can lead to lack of smartness and confidence in children. What to do? Children should be motivated to participate not only in academics but also in other aspects of life like sports, music, art and culture and social activities. This will improve their overall growth and they will look confident everywhere. Not giving children enough sleep Many times parents think that children will get good marks by studying all night, but do you know that lack of adequate sleep can weaken the child's memory power, thinking ability and concentration? Not understanding the importance of sleep can spoil the performance of children. What to do? Motivate the child to sleep on time and get adequate sleep. A deep and restful sleep at night leads to their mental and physical growth, which also brings a positive change in their studies. Forcing to study in one's own way Every child has a different way of studying. Some children like to read by seeing, some by listening, and some by writing. Many parents believe that their way is the right one and they force the children to study in that way. This can harm the creativity and innovation of children. What to do? Give children the freedom to find their way of studying. Every child has a different memory power and learning style, so give them the freedom to study in their own best way. Keep in mind, the entire credit for the child's success and getting good marks cannot be given only to books. It is important to guide children with the right mindset, healthy habits and love. Parents' mistakes can sometimes cause pressure and stress in children. Therefore, it is very important to give children timely rest, proper study and time for sports.

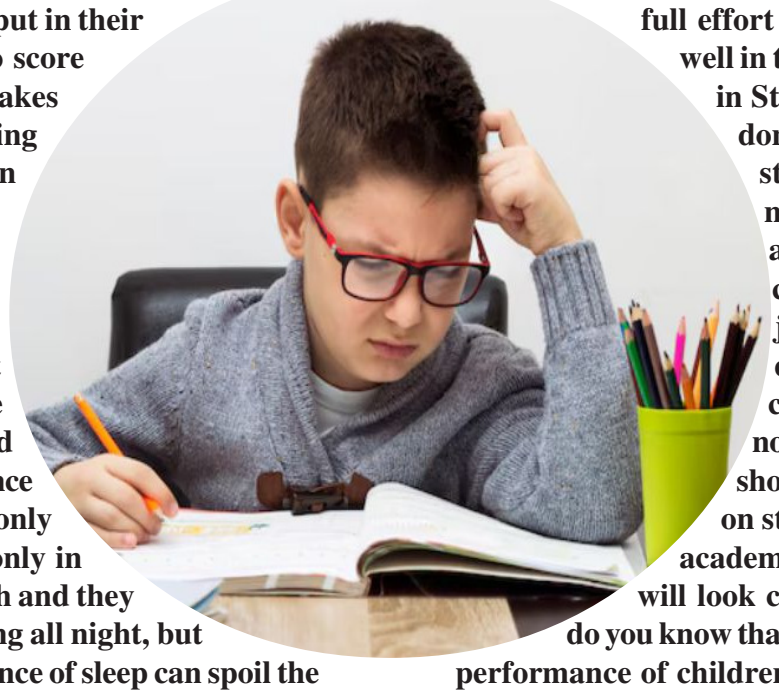

5 green juices will control diabetes and give immense benefits to health, include them in the diet without delay

It is not necessary to depend only on medicines to control diabetes. Yes, it can also be managed to a great extent with proper eating habits and healthy diet. The 5 green juices mentioned here (Green Juices For Diabetes) not only keep blood sugar under control but also strengthen the immune system by detoxifying the body from inside. There are many ways to manage blood sugar naturally. With the help of green juice, you can control diabetes. Including them in the daily diet gives many health benefits. Diabetes has become a common disease in today's time, but if it is managed properly, its effect can be reduced. Yes, blood sugar can be kept under control by adopting a balanced diet and healthy lifestyle. If you also want to control diabetes naturally, then including green juice in your diet can be a great option. The antioxidants, vitamins and minerals present in green juice not only help in balancing blood sugar, but are also effective in detoxifying the body and strengthening the immune system. Let us know about 5 such green juices (Green Juices To Control Blood Sugar), which can prove to be very beneficial in diabetes. Bitter gourd juice Bitter gourd is known for its medicinal properties. It helps in increasing insulin sensitivity and controls blood sugar level. How to make bitter gourd juice? Take 1 bitter gourd and remove its seeds and cut it into small pieces. Put it in a mixer, add some water and blend well. Filter the prepared juice and add lemon and black salt. Benefits: Controls blood sugar rapidly. Detoxifies the body. Helps in weight loss. Spinach and cucumber juice The iron and fiber present in spinach help in keeping blood sugar stable. At the same time, cucumber keeps the body hydrated and removes toxins. How to make spinach and cucumber juice? Take 1 bowl of spinach leaves and 1 cucumber. Cut them into small pieces and put them in the blender. Add some water and blend well and filter the juice. If you want, you can add lemon and black salt to it. Benefits: Balances blood sugar. Keeps the stomach cool and hydrated. Improves digestion. Bottle gourd juice Bottle gourd (bottle gourd) is a low calorie and high fiber food, which is no less than a boon for diabetes patients. It keeps blood sugar as well as blood pressure under control. How to make bottle gourd juice? Peel 1 small bottle gourd and cut it into small pieces. Put it in a mixer, add some water and blend it. Filter the prepared juice and add mint, lemon and black salt to it. Benefits: Protects from diabetes and heart diseases. Keeps the body cool. Helps in weight loss. Fenugreek and coriander juice Both fenugreek and coriander are considered very beneficial for diabetes patients. Fenugreek seeds contain soluble fiber, which allows blood sugar to rise slowly, while coriander helps in reducing blood sugar. How to make fenugreek and coriander juice? Soak 1 teaspoon fenugreek seeds overnight. Take 1 bowl of fresh coriander leaves. Put both in a mixer and blend well. Filter the prepared juice and add lemon juice. Benefits: Increases insulin sensitivity. Eliminates stomach problems. Helps in reducing cholesterol. Cabbage and ginger juice Cabbage is very beneficial in controlling diabetes. It contains plenty of fiber and antioxidants, which help in controlling blood sugar. At the same time, ginger helps in reducing inflammation and improving digestion. How to make cabbage and ginger juice? Take 1 cup cabbage leaves and 1 small piece of ginger.

Karan Johar had asked for permission before adding Raveena Tandon's name in the song Kar Gayi Chull, the actress gave such a reply!

Filmmaker Karan Johar is often in the news. Many times he is also accused of giving opportunities to star kids. Stories related to his films often go on in the corridors of Bollywood. Recently Raveena Tandon has talked about a song in his film in which Karan has used the name of the actress. Karan Johar used Raveena's name in this song The filmmaker had asked for permission from the actress Actress Raveena Tandon gave such a reply Raveena Tandon's name is included in the list of veteran actresses of Bollywood. She succeeded in winning the hearts of the people with her debut film itself. Recently, his daughter Rasha Thadani started her acting career with the film Azad. However, her film could not prove to be a hit at the box office. Raveena's popularity is such that her name has been used in some songs. This also includes the name of a song from Karan Johar's film. Raveena Tandon recently revealed that Karan Johar had asked for permission before using her name in a song. For this, Karan called the actress and you must know the answer given by Raveena. Raveena's name used in this song - Alia Bhatt's fans would know that one of her films was released in the year 2016, named Kapoor and Sons. One of its party songs was in the news the most. Its name is, 'Kar Gayi Chul'. Raveena's fans know that the actress' name was used in this song sung by Badshah and Neha Kakkar. The line of this song is like this - 'Kya Nache Tu Delhi, Hile Hai London, Matak-Matak Jaise Raveena Tandon.' Karan Johar called Raveena Tandon before using her name in this song. What did Karan Johar say to Raveena Tandon? Raveena Tandon has revealed about 10 years after the release of this film that Karan Johar took permission from her before using her name in it. In the Indian Idol show, Raveena revealed that 'I remember, Karan called me. He said, 'I want your permission to use your name in a song.' As soon as I heard about this, I really liked it and I immediately said yes to him.' Raveena further told that even after this Karan Johar was a little thoughtful, he asked whether Anil would have any problem with this. After this Karan narrated the first two lines of the song to her, which she liked and she said that I liked this song very much.

These two top TV actors will enter Khatron Ke Khiladi 15! They have won the hearts of people with Bigg Boss

Fans are eagerly waiting for Khatron Ke Khiladi 15. Updates related to the show work to double the excitement of the fans. Meanwhile, it has been confirmed that the makers have approached two popular Bigg Boss fame and actors for the show. Let us know what big update has come out related to this. Entry of these two contestants in Khatron Ke Khiladi They have been seen in TV reality show Bigg Boss Makers approached for Rohit Shetty's show TV lovers are eagerly waiting for Khatron Ke Khiladi 15. The latest updates related to Rohit Shetty's show double the excitement of the fans. To make the show special, the makers are offering the show to popular stars of the small screen. For this, actors of Bigg Boss fame and TV serials have been approached. Recently, an update came that the names of two contestants have been confirmed for the 15th season. After this, an update has come out that two popular faces of TV can be seen in this show. Both have appeared in Bigg Boss- Till now, the names of many popular stars have been associated with Khatron Ke Khiladi 15. Some of them have turned down the offer of the show. Recently, Abhishek and Elvish had refused to be a part of the show. After this, an update has been shared in the report of Bigg Boss Latest News that Bigg Boss 17 winner Munawar Farooqui and Bigg Boss 15 fame Karan Kundrra have been approached for the 15th season of the stunt reality show. The report also claims that talks are still going on with both of them. At present, the names of both have not been confirmed, but it is being speculated that the makers can confirm it officially soon. Fans believe that both can be a part of the show. Well, the correct information related to this will be known only after the complete list of the contestants of the show is released. Karan Kundra is seen in this show TV actor Karan Kundra has recently appeared in Colors TV's popular cooking show Laughter Chef Season 2. In this, he is paired with Elvish Yadav. At present, it will be interesting to see whether the actor appears in Khatron Ke Khiladi 15 or not. Let us tell you that his girlfriend Tejashwi Prakash has already been a part of this show. Who was the winner of Khatron Ke Khiladi 14? The shooting of this show of Rohit Shetty can start in May and it can come on TV in the middle of June or July like the previous season. Talking about the winner of Khatron Ke Khiladi 14, its trophy was won by Karanvir Mehra. At present, everyone is waiting for the 15th season of the show.

Shah Rukh Khan got Gauri because of this hit film, it has a connection with the actor's love life

Shah Rukh Khan and Gauri's love story was Deewana Actor's debut film Convincing parents was a big taskShah Rukh Khan is a name in the Bollywood industry that never needs any introduction. This man has been like an institution in Bollywood for three decades and has been ruling it. Shah Rukh entered the industry as an outsider and made his own way to success. Today he is at the top and is counted among the superstars. The journey was not easy for Shah Rukh Khan But the journey till here was not so easy for him. In his early years, Shahrukh also had to struggle a lot. He did many films just for money. There was also a time when he was in danger of being typecast as a villain. But by the mid-1990s, Shah Rukh turned from a villain to a romantic hero. After the year 2020, he made a mark as an action star. This shows how much range this man has.The actor was not seen in more than half the filmShah Rukh has done many experiments with many of his films. We are not just saying this, we will tell you further. In most of his films, Shah Rukh is in the lead role and is always present on the screen. Imagine being the lead actor in the film but not being seen on the screen. Is this possible? But there was a film in which despite being one of the two main characters, he was not in the first half. Yes, you read it right. The film we are talking about? It is none other than his first film Deewana, which came in 1992. The total duration of this film is 156 minutes but Shah Rukh's entry happens in the 81st minute. This means that Shah Rukh is not in more than half of the film. In fact, he is not seen till the second half. Isn't it surprising?Deewana was the actor's debut filmDeewana was Shah Rukh Khan's debut film. It is a big deal for an outsider to play the lead role in his first film. That is when Rishi Kapoor was in the film as the second lead. Amrish Puri was seen in the role of the villain. Amrish Puri and Shahrukh Khan later worked in many films like Dilwale Dulhania Le Jayenge, Koyla and Pardes. Divya Bharti was the lead actress in it. The actor had made a promise to Gauri. There is another story related to this film. Actually, during this film, Shah Rukh and Gauri were dating each other. The actor had to marry Gary but Gauri's family felt that Gauri's life would be ruined by marrying actor Shahrukh. But Shahrukh had promised Gauri that he would convince her family as soon as he gets success. As soon as Deewana became a hit, Shah Rukh Khan reached Gauri's house for the proposal. In the year 1992, a film of Shah Rukh Khan was released named Deewana. Shah Rukh made a blockbuster entry in the industry with this film, although he was not even present in more than half of the part of this film. However, there is another interesting story related to this movie which has a direct connection to Shah Rukh Khan's love life.